तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर,मंगलवार 26 अगस्त 2025 ■ भाद्रपद शुक्ल पक्ष-3 ■ वर्ष -41 ■ अंक-149 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 27 अगस्त 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या हुई दोगुनी : केदार कश्यप

रायपुर,26 अगस्त

बाघों के अस्तित्व और संरक्षण के लिये छत्तीसगढ़ में जो कार्य हुए है, उसके परिणाम स्वरूप आज प्रदेश में बाघो की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई है। यह न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि भारत के लिये भी गर्व की बात है। वर्ष 2022 में हुई बाघ गणना अनुसार बाघो की संख्या 17 थी जो 2025 में बढ़ कर 35 हो गयी है। वनमंत्री केदार कश्यप की संवेदनशील पहल के परिणाम स्वरूप बाघों की संख्या में वृद्धि के लिये निरंतर प्रयास हो रहे हैं। बाघ रहवास वाले क्षेत्रों के सक्रिय प्रबंधन के फलस्वरूप बाघों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है. छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व और इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र, सीतानदी उदंति क्षेत्र, गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में बाघो के उचित प्रबंधन को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में वन्य जीवन, वन विभाग विभाग बेहतर कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ाने में किसकी अहम भूमिका? प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है. छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा जंगल से लगे गांवों के साथ बेहतर संबध बनाकर उन्हें वन्य जीवों के प्रति संवेदनशील किये। इसके साथ ही बहुत बड़ा भूभाग जैविक दवाब से मुक्त कराया गया है।

घास के मैदान विकसित किये गये-टायगर रिजर्व क्षेत्र में वन विभाग ने वनमंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये। जिससे शाकाहारी वन्य प्राणियों के लिये वर्षभर चारा उपलब्ध होता है। संरक्षित क्षेत्रों में रहवास विकास कार्यक्रम चलाया जाकर सक्रिय प्रबंधन से विगत वर्षों में अधिक हिरण की संख्या वाले क्षेत्र से कम संख्या वाले हिरण

विहीन क्षेत्रों में सफलता से हिरणों को स्थानांतरित किया गया है। इस पहल से हिरण, जो कि बाघों का मुख्य भोजन है, उनकी संख्या में वृद्धि हुई है और पूरे क्षेत्र में हिरण की उपस्थिति पहले से अधिक हुई है।

वन्यजीवों की निगरानी के लिये ड्रोन और थर्मल कैमरे का उपयोग-टाइगर रिजर्व में सक्रिय आवास प्रबंधन प्रथाओं को लागू किया गया है, जैसे चरागाहों का रखरखाव, जल संसाधन विकास और आक्रामक पौधों को हटाना. कान्हा में गांवों को कोर क्षेत्र से स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हो गया है और वन्यजीवों को स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति मिलती है। छत्तीसगढ़ वन विभाग जंगल में वन्यजीवों की आवाजाही और व्यवहार पर नज़र रखने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए और वन सुरक्षा समितियों की मदद से सतत निगरानी में ड्रोन और थर्मल कैमरों का इस्तेमाल कर रहा है ताकि जानवरों और इंसानों के बीच संघर्ष को कम किया जा सके।

वनमंत्री केदार कश्यप ने बाघो की संख्या में वृद्धि को लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने वन्य जीवों के शिकार को पूर्ण रूप से नियंत्रित करने का प्रयास किया है और वन्य जीवों का शिकार करने वाले शिकारीयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में अभी बाघो की संख्या 35 हो गयी है।

संक्षेप

रायपुर के थोक मार्केट की दुकान में लगी आग

रायपुर, 26 अगस्त। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के डूमरतराई थोक मार्केट की एक दुकान में देर रात लगभग 10:30 बजे भीषण आग लग गई। दुकान

में दोना पत्तल और प्लास्टिक के आइटम स्टॉक थे जिनमें आग तेजी से फैल गई। गणेश पूजा के चलते दुकान में भारी मात्रा में स्टॉक जमा था जिससे आग बुझाने में काफी कठिनाई आई। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 40 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लगातार 14 घंटे की मेहनत के बाद दोपहर 1 बजे आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान आग बुझाने के काम में मदद के लिए जेसीबी मशीन से दुकान के शटर को भी तोड़ना पड़ा। अधिकारी और फायर ब्रिगेड की टीम इस घटना की वजह का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल आग लगने से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सार्वजनिक स्थानों पर पंडालों, जुलूस और रैली के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

रायपुर,26 अगस्त। राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक छोटे-बड़े कार्यक्रमों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. आदेश के अनुसार आयोजनों को भीड़ और स्थान के आधार पर दो श्रेणियों में बांटा गया है. छोटे आयोजनों में 500 तक लोग और 5000 वर्ग फीट तक का स्थान शामिल होगा, जबकि बड़े आयोजनों में 500 से अधिक लोगों की भीड़ या 5000 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल वाला आयोजन माना जाएगा.

रायपुर-उरकुरा के बीच पटरी से उतरे मालगाड़ी के डिब्बे

रायपुर,26 अगस्त। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां रायपुर और उरकुरा के बीच मारगाड़ी हादसे का शिकार हो गई है। इस हादसे के बाद ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे की टीम और आला अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचते ही मेंटेनेंस का कार्य शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर और उरकुरा के बीच मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस हादसे के बाद अप और डाउन रुट की सभी ट्रेने प्रभावित हुई है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे की टीम और आला अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचते ही मेंटेनेंस का कार्य शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि, अमृतसर से चलकर बिलासपुर जानें वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस और सालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस काफी देर से उरकुरा स्टेशन के पास खड़ी है। रेलवे की टीम जल्द से जल्द मेंटेनेंस कार्य को खत्म कर रुट को यथावत करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

मोदी की आगामी जापान यात्रा से और मजबूत होंगे संबंध : साय

रायपुर 26 अगस्त

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की आगामी यात्रा और ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में छत्तीसगढ़ की सहभागिता पर कहा कि "हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बहुत जल्द जापान आ रहे हैं। भारत और जापान की मित्रता ऐतिहासिक और गहरी है।

उनके इस दौरे से यह संबंध और भी मजबूत होंगे और हमारे देश को अनेक लाभ प्राप्त होंगे।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की यात्रा भारत और जापान के बीच तकनीकी, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को और प्रगाढ़ बनाएगी। इससे दोनों देशों की जनता को लाभ होगा और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो 2025 के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि "कल हमने छत्तीसगढ़ को समर्पित सप्ताह का शुभारंभ किया है। यह वर्ल्ड एक्सपो भारत की संस्कृति को विश्व के सामने प्रस्तुत करने का एक बड़ा प्रयास है। छत्तीसगढ़ का सप्ताह न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए लाभकारी रहेगा।" उन्होंने कहा कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और औद्योगिक प्रगति को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे निवेश और सहयोग के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जापान यात्रा और ओसाका एक्सपो में छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी प्रदेश और देश दोनों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।

ओसाका। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को निवेश के लिए आमंत्रित किया। ये परियोजनाएँ कृषि मूल्य श्रृंखलाओं, उच्च-तकनीकी विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगी, साथ ही राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ मुख्य सचिव अमिताभ जैन और प्रमुख सचिव सुबोध सिंह विशेष रूप से मौजूद थे।

पुलिस और डीजे संचालकों के बीच बैठक बेनतीजा

रायपुर,26 अगस्त। राजधानी समेत देशभर में बुधवार 27 अगस्त से गणेशोत्सव शुरू हो जाएगा. गणेशोत्सव पर डीजे बजाने को लेकर रायपुर पुलिस ने डीजे संचालकों के साथ बैठक की. रायपुर एएसपी लखन पटले ने सुप्रीम कोर्ट

और हाईकोर्ट की गाइडलाइन का पालन करने की हिदायत देते हुए कहा कि गणेशोत्सव पर केवल पारंपरिक वाद्ययंत्र बजा सकते हैं. डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा. अगर कोई नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. वहीं डीजे संचालकों ने पुलिस की बात न मानते हुए कम साउंड में डीजे-धुमाल बजाने की बात कही है. एएसपी पटले ने कहा, डीजे संचालन के लिए प्रशासन की ओर से एनओसी नहीं दी जाएगी. अस्पताल, स्कूल और सार्वजनिक जगहों से 100 मीटर के दायरे में डीजे पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा. रात 10 बजे के बाद डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है. इसके अलावा तेज आवाज में डीजे की भी अनुमति नहीं रहेगी. एक बार से अधिक चालानी कार्रवाई के बाद यदि उसी गाड़ी पर दोबारा कार्रवाई होती है तो उस गाड़ी को राजसात किया जाएगा. वहीं अगर प्रतिबंध के बावजूद भी डीजे संचालक डीजे बजाते पाए जाते हैं तो भारी भरकम जुर्माना लगाया जाएगा.

कम साउंड में डीजे-धुमाल बजाएंगे : डीजे धुमाल संघ-वहीं धुमाल डीजे संघ रायपुर के अध्यक्ष गौतम महानंद ने कहा कि डीजे नहीं बजाएंगे तो हमारे साथियों की रोजी-रोटी कैसे चलेगी. गणेशोत्सव में कम साउंड में डीजे-धुमाल बजाएंगे. पिछले साल डीजे बजाने पर भारी भरकम चालान पटाना पड़ा था.

दुनिया में दौड़ेगी 'मेड इन इंडिया' ईवी: मोदी

नई दिल्ली,26 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद के हंसलपुर में सुजुकी के पहले वैश्विक रणनीतिक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) 'ई-विटारा' को झंडी दिखाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसमें 'मेड इन इंडिया' लिखा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि अब भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) को 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो गई है। पीएम मोदी ने याद दिलाया कि भारत की सफलता की कहानी के बीज करीब 13 साल पहले बोए गए थे। 2012 में जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी। उन्होंने कहा, "विजन तब भी आत्मनिर्भर भारत का था और मेक इन इंडिया का था। हमारे तब के प्रयास आज देश के संकल्पों को पूरा करने में इतनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।"

कुछ साल पहले तक भारत पूरी तरह से बैटरियों के लिए आयात पर निर्भर था-प्रधानमंत्री ने कहा, "इलेक्ट्रिक वाहनों के इकोसिस्टम में बैटरी सबसे महत्वपूर्ण घटक है। कुछ साल पहले तक भारत पूरी तरह से बैटरियों के लिए आयात पर निर्भर था। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण को मजबूत करने के लिए भारत में भी बैटरी उत्पादन शुरू करना जरूरी था। इसी दृष्टिकोण के साथ हमने 2017 में टीडीएसजी बैटरी प्लांट की नींव रखी। इस कारखाने में, तीन जापानी कंपनियां मिलकर बैटरी सेल का निर्माण करेंगी।

प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे इस मौके का पूरा लाभ उठाएं

प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे इस मौके का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, "मैं सभी राज्यों को निमंत्रण देता हूं। आइए, रिफॉर्म की स्पर्धा करें, प्रो-डेवलपमेंट पॉलिसी की स्पर्धा करें, गुड गवर्नेंस की स्पर्धा करें।" इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने।

डोडा में बादल फटा, तीन लोगों की मौत

जम्मू,26 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटने से एक बार फिर तबाही मच गई है। 10 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। डोडा जिले में लगातार भारी बारिश के कारण भूस्खलन, मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने की घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण कई संपर्क सड़कों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्से बंद हो गए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये बादल डोडा जिले के थाथरी उप-मंडल में फटा है। जहां अचानक से तबाही मच गई है। इससे पहले किश्तवाड़ और थराली में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। किश्तवाड़ जिले और डोडा के कई इलाकों में बादल फटने की सूचनाएं मिल रही हैं। डिप्टी कमिश्नर हरविंदर सिंह ने कहा कि तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। खासकर चिनाब नदी के इलाकों

में दो जगहों से बादल फटने की खबरें आई हैं। बादल फटने से एनएच-244 भी बह गया। आगे बातचीत में कहा कि हमारी टीम उसे बहाल करने में जुटी है। अब तक तीन लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से दो गंधोर में और एक ठठरी सबडिवीजन में है। 15 रिहायशी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और गौशालाओं को भी नुकसान पहुंचा है। आगे बताया कि एक निजी स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुआ है। तीन पैदल पुल बह गए हैं। चिनाब नदी का उच्चतम जलस्तर 900 फीट है और वर्तमान में यह 899.3 मीटर तक पहुंच चुका है यानी सवा मीटर का अंतर है। जिस तरह से बारिश हो रही है, हमें आशंका है कि एचएफएल टूट जाएगा। हमने चिनाब नदी के आस-पास और चिनाब नदी से सटी सड़कों पर लोगों की आवाजाही सीमित कर दी है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

गांधी परिवार का मैं भक्त, माफी मांगता हूं : डीके शिवकुमार

बेंगलुरु,26 अगस्त। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हाल ही में विधानसभा में विपक्ष पर तंज कसते हुए आरएसएस का एंथम गाया था. इस पर उठे विवाद को लेकर उन्होंने मंगलवार (26 अगस्त 2025) को मीडिया से बातचीत की और स्थिति साफ की. शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने यह गान आरएसएस की प्रशंसा करने के लिए नहीं, बल्कि विपक्षी नेता आर. अशोक को आड़े हाथों लेने के लिए गाया था. शिवकुमार ने कहा, "अगर मेरी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन यह माफी किसी राजनीतिक दबाव में नहीं है." उनके अनुसार, उनके बयान को राजनीतिक लाभ उठाने के लिए तोड़ा-मरोड़ा गया और जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश की गई.

कांग्रेस और गांधी परिवार के प्रति प्रतिबद्धता-डीके शिवकुमार ने इस विवाद से अलग हटकर अपनी राजनीतिक आस्था पर जोर दिया. उन्होंने साफ कहा कि गांधी परिवार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता. मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं और कांग्रेसी ही मरूंगा. उन्होंने गांधी परिवार को अपनी राजनीतिक आस्था का केंद्र बताया. उन्होंने कहा कि गांधी परिवार मेरा भगवान है और मैं भक्त हूं. इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ अपने तीन दशक लंबे जुड़ाव को भी याद किया.

व्यक्तिगत और राजनीतिक संघर्षों का उल्लेख-डीके शिवकुमार ने कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा को दर्शाने के लिए अपने कठिन संघर्षों का ज़िक्र किया. उन्होंने कहा कि एक बार सरकार संकट में आने पर उन्होंने लगभग 200 विधायकों को एकजुट किया था.

ट्रंप का 50% टैरिफ लागू होने में कुछ ही घंटे बाकी...

वाशिंगटन,26 अगस्त। अमेरिका ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है. यह नया टैरिफ 27 अगस्त, 2025 को सुबह 12:01 बजे (EST) से प्रभावी होगा. यानी अब से 30 घंटे से भी कम समय में यह लागू हो जाएगा. अमेरिका का कहना है कि उसने यह कदम भारत के रूस से तेल खरीदने के जवाब में उठाया है. ट्रंप प्रशासन का कहना है कि रूस से तेल खरीदकर भारत अपरोक्ष रूप से यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को की फंडिंग कर रहा है. यह अतिरिक्त 25% टैरिफ 1 अगस्त, 2025 से लागू 25% रेसिप्रोकल टैरिफ के अतिरिक्त होगा, जिससे भारत से आयातित कई वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50% तक पहुंच जाएगा. यह दर ब्राजील के बराबर और अन्य एशिया-प्रशांत देशों की तुलना में कहीं अधिक है. हालांकि, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर्स, और ऊर्जा संसाधनों जैसे कुछ क्षेत्रों को इस टैरिफ से छूट दी गई है. भारत के 87 बिलियन डॉलर के अमेरिकी निर्यात, जो देश के जीडीपी का 2.5% है, पर इस टैरिफ का गहरा प्रभाव पड़ सकता है. विशेष रूप से कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रसायन, और ऑटो पार्ट्स जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे.

भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया है. मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं और राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस से तेल आयात कर रहा है, जिसे अमेरिका ने

पहले ग्लोबल एनर्जी मार्केट की स्थिरता के लिए प्रोत्साहित किया था. भारत सरकार अमेरिका पर तत्काल जवाबी टैरिफ लगाने के बजाय कूटनीतिक बातचीत और निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन जैसे उपायों पर विचार कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ से पहले अपना रुख कड़ा रखा और कहा कि उनकी सरकार वाशिंगटन के आर्थिक दबाव की परवाह किए बिना कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेगी. प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'चाहे कितना भी दबाव आए, हम उसे झेलने के लिए अपनी ताकत बढ़ाते रहेंगे. आज आत्मनिर्भर भारत अभियान को गुजरात से बहुत ऊर्जा मिल रही है और इसके पीछे दो दशकों की कड़ी मेहनत है.'भारत दबावों के विरुद्ध दृढ़ता से खड़ा रहेगा उन्होंने राष्ट्र को आश्वस्त किया कि भारत ऐसे दबावों के विरुद्ध दृढ़ता से खड़ा रहेगा और अपने नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देगा. पीएम मोदी ने कहा, 'आज हम सभी विश्व में आर्थिक स्वार्थ पर आधारित नीतियों को देख रहे हैं. गांधी की धरती से, मैं देशवासियों से वादा करता हूं, मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है. मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, पशुपालकों या किसानों को कभी कोई नुकसान नहीं होने देगी. भारत के किसानों, मछुआरों और पशुपालकों से जुड़ी किसी भी हानिकारक नीति के खिलाफ मोदी दीवार बनकर खड़ा है.

एक नजर

अंडर-14 एवं अंडर-19 क्रिकेट टीम के गठन के लिए चयन स्पर्धा 30 व 31 अगस्त को

भिलाई, 26 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2025-26 के लिए आयोजित अंडर-14 एवं अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा चयन स्पर्धा का आयोजन किया गया है। अंडर-14 (बालक) आयु वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 01 सितम्बर 2011 से 31 अगस्त 2013 के मध्य और अंडर-19 (बालक) आयु वर्ग के लिए 01 सितम्बर 2007 से निर्धारित सीमा तक जन्म लेने वाले खिलाड़ी पात्र होंगे। अंडर-14 व अंडर-19 (बालक) टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन क्रमशः 30 अगस्त 2025 तथा 31 अगस्त 2025 को बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर में किया गया है 7 भिलाई परिधीय क्षेत्र के प्रतिभागी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे निम्न चयनकर्ताओं के राजगोपालन तथा देवेश बनर्जी के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

नराकास की छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार समारोह 28 अगस्त को

भिलाई, 26 अगस्त। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' की 61वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 28 अगस्त को नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य में सिविक सेंटर स्थित भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में किया जाएगा। अध्यक्षता, भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति चित्त रंजन महापात्र करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित रहेंगे।

महाप्रबंधक राजीव कुमार ने जानकारी दी है कि इस कार्यक्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 60वीं छमाही बैठक की कार्यसूची का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा एवं आगामी छमाही के लिए कार्यसूची तय की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने नगर सैनिक के पद पर चयनित 41 युवाओं को शील्ड व मोमेंटो प्रदान कर किया सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,26 अगस्त। कबीरधाम पुलिस की पहल पर संचालित स्वामी विवेकानंद ऐकेडमी के युवाओं ने एक बार फिर अपनी मेहनत और लगन से सफलता का परचम लहराया है। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह (आईपीएस) के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ऐकेडमी के 41 युवाओं का चयन नगर सैनिक के पद पर हुआ है। इनमें 35 महिला और 06 पुरुष शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आज आयोजित सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक श्री धमेन्द्र सिंह (आईपीएस) ने चयनित सभी युवाओं को शील्ड एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, पंकज पटेल, डीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी एवं डीएसपी कृष्णा चंद्राकर भी उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने चयनित युवाओं को शील्ड एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर चयनित युवाओं में अपार उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह (आईपीएस) ने सभी चयनित युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कबीरधाम पुलिस का मुख्य उद्देश्य सिर्फ कानून-व्यवस्था को बनाए रखना ही नहीं है, बल्कि जिले के युवाओं को एक सशक्त और सुनहरा भविष्य देने के लिए अवसर प्रदान करना भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए स्वामी विवेकानंद ऐकेडमी की स्थापना की गई थी, ताकि यहां के युवा उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि कि आज चयनित हुए ये सभी युवा मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के जीवंत उदाहरण हैं। इनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा और मार्गदर्शन मिले तो जिले का प्रत्येक युवा नई ऊंचाइयों को छू सकता है। नगर सैनिक के रूप में इनकी जिम्मेदारियां और भी महत्वपूर्ण होंगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये सभी युवा निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ समाज की सेवा करेंगे और जिले की गौरवशाली पहचान को और ऊंचा उठाएंगे। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने आगे कहा कि यह सफलता केवल युवाओं की नहीं बल्कि पूरे जिले की है। उन्होंने चयनित युवाओं के परिवारजनों को भी बधाई दी और कहा कि माता-पिता और परिजनों का सहयोग ही युवाओं के सपनों को साकार करने में सबसे बड़ी शक्ति है। गौरतलब है कि कबीरधाम पुलिस द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद ऐकेडमी जिले के युवाओं के लिए आशा और प्रेरणा का केंद्र बन चुकी है। यह ऐकेडमी निरंतर युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण, शारीरिक दक्षता, अनुशासन तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। ऐकेडमी से अब तक लगभग 800 से अधिक युवा आर्मी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, पुलिस, नगर सेना सहित विभिन्न अर्धसैनिक बलों एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। यह उपलब्धि केवल एक संस्था की नहीं बल्कि पूरे जिले की गौरवपूर्ण पहचान है। ऐकेडमी से निकले युवा आज न सिर्फ रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि समाज में आदर्श प्रस्तुत कर अन्य युवाओं को भी प्रेरित कर रहे हैं। स्वामी विवेकानंद ऐकेडमी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के उन युवाओं तक अवसर पहुँचाना है, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती। यही कारण है कि आज यह ऐकेडमी प्रदेश स्तर पर एक उदाहरण के रूप में स्थापित हो चुकी है।

गणेशोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां ऑपरेशन सिंदूर थीम पर बना पंडाल

भिलाई, 26 अगस्त। युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल द्वारा आयोजित गणेश पूजा, दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व का आयोजन सेक्टर-7 हाईस्कूल दशहरा मैदान में किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष चन्ना केशवलू ने बताया कि यह आयोजन सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक महोत्सव है जहां भक्तगण और दर्शक अद्वितीय अनुभव का आनंद ले सकेंगे। गणेश पूजा का आयोजन भव्य पंडाल में किया जाएगा जिसे देश भक्ति से प्रेरित ऑपरेशन सिंदूर थीम पर सजाया गया है। यह पंडाल परंपरा और आधुनिकता का संगम प्रस्तुत करेगा। दुर्गा पूजा के दौरान माँ दुर्गा की आराधना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला इस पर्व को और भी जीवंत बनाएगी। यह उत्सव आस्था और उत्साह का संगम होगा, जहां भक्तगण विशेष पूजा-अर्चना के माध्यम से माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। दशहरा पर्व पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा। इस आयोजन को और खास बनाने के लिए काकीनाडा आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध आतिशबाजी की जाएगी, जो आई. पी. एल. स्तर की इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी से प्रेरित होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला और भव्य आतिशबाजी इस पर्व को अविस्मरणीय बना देगी।

ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विवि के राष्ट्रीय महाभियान में 380 यूनिट रक्तदान

भिलाई, 26 अगस्त। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर सोमवार को सेक्टर-7 स्थित राजयोग भवन में राष्ट्रीय रक्तदान महाअभियान का आयोजन किया गया। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि की स्मृति में किया गया। रक्तदान महाअभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर सीएमओ डॉ. कौशल ठाकुर सेक्टर-9 हॉस्पिटल, डॉ. राजेंद्र, बीएसबीके अध्यक्ष मनीष गुप्ता तथा भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी एवं प्राची दीदी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान 380 यूनिट रक्तदान हुआ जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, पुलिस अधिकारी एवं ब्रह्माकुमारी बहनें व भाईयों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की। ब्रह्माकुमारीज एवं राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाज सेवा प्रभाग द्वारा सम्पूर्ण भारत के 6 हजार से अधिक सेवा केंद्रों पर एक लाख यूनिट से अधिक रक्तदान कर इसे गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करने का लक्ष्य है। ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने इस अवसर पर कहा कि यह रक्तदान केवल जीवन बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि समाज में मानवता, बंधुत्व और निस्वार्थ सेवा की भावना को सशक्त करने का माध्यम है।

बीएसएफ ने पौधे लगा कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भिलाई, 26 अगस्त। सीमा सुरक्षा बल द्वारा सेक्टर-7 स्थित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी.एस.एफ अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने सामूहिक रूप से स्कूली बच्चों एवं स्थानीय संगठनों के साथ मिलकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत पीपल, बरगद और नीम जैसे जीवनदायी 500 पौधे रोपे गए।

भिलाई-चरोदा में संपति कर सर्वे का मेयर ने लिया जायजा

भिलाई 03 । नगर निगम भिलाई-चरोदा की ओर से सोमवार को सभी 40 वार्डों के लिए संपत्ति कर सर्वेक्षण का प्रारंभ किया गया जिसका जायजा लेने मेयर निर्मल कोसरे स्वयं फील्ड में उतरे। उन्होंने सर्वे का कार्य का अवलोकन किया।

शिखर साहित्य मंच ने जामुल में किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

जामुल। शिखर साहित्य मंच के तत्वाधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ईश्वर सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अध्यक्षता नरेन्द्र सिक्रेवाल पुलिस अधीक्षक सीआईडी, विशिष्ट अतिथि गोविन्द पाल अध्यक्ष मुक्त कंठ साहित्य समिति तथा करीम खान थे। अतिथियों ने मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों में दीप प्रज्वलित कर कवि गोष्ठी का शुभारंभ किया। श्रीमती नीलम जायसवाल ने सरस्वती वंदन। इस्माइल आजाद एवं श्रीमती प्रिया गुप्ता ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन राजेन्द्र देवांगन ने किया। पंडवानी गायक गौतम साहू का मुख्य अतिथि द्वारा सम्मान किया गया। गजेन्द्र द्विवेदी के संचालन में कवि गोष्ठी में धर्मेन्द्र डहरवाल, धर्मेन्द्र जंघेल, दिलीप टिकरिहा, डामन लाल वर्मा, अनिल राय भारत, इरफानुददीन इरफान, इज़राइल बेग शाद, नुरुस्ससबा, आलोक नारंग, राजकुमार रौना, शीशलता शालू, रियाज खान गौहर, जाविद हसन, संतोष जाटव, बैकुंठ महानंद, जितेन्द्र वर्मा वैघ ने हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी गीत कविता ग़ज़ल से उपस्थित जनसमूह को झूमने में मजबूर कर दिये।

राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक में नियुक्त किए गए पदाधिकारी

भिलाई, 26 अगस्त। राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक संपन्न हुई जिसमें संगठन को बढ़ाने के लिए दिशा निर्देश बनाए गए एवं प्रदेश एवं जिला में पद नियुक्ति की गई। जिसमें कुछ पदाधिकारी को जिले से प्रदेश में नियुक्त किया गया और कुछ को नई पदों की नियुक्ति गई , जिसमें मुकेश सोनकर जी को प्रदेश मंत्री का पद दिया गया, अमित मंगल जी को दुर्ग जिला अध्यक्ष बनाया गया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आत्म मूल्यांकन एवं सतत सुधार जरूरी: जगजीत कौर

भिलाई, 26 अगस्त। भिलाई महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जगजीत कौर सलूजा विभागाध्यक्ष भौतिक, शासकीय वी.वाई.टी.पी.जी. स्वायत्त महाविद्यालय दुर्ग उपस्थित रहीं। अध्यक्षता श्रीमती प्रतिमा छाया क्लॉडियस प्राचार्य ने की। मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान के दौरान प्राध्यापकों के प्रश्नों का समाधान करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आत्म-मूल्यांकन एवं सतत सुधार आवश्यक हैं। उपप्राचार्य डॉ. आशा रानी दास ने महाविद्यालय के सतत विकास हेतु सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के सहयोग पर बल दिया।

बैठक में ट्रांसपोर्टरों को दी गई नियमों व निर्देशों की जानकारी

बलौदाबाजार,26 अगस्त । मोटर परिवहन अधिनियम 1961 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले के समस्त मोटर ट्रांसपोर्टरों के साथ जनपद पंचायत बलौदाबाजार के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई।

श्रम पदाधिकारी सूरज कुमार ने माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशो की प्रभावशीलता, सामान्य कार्य घंटे, स्प्रेड ओवर, आराम अंतराल, रात्रि कार्य प्रतिबंध, साप्ताहिक विश्राम, ओवर टाईम के लिए ट्रांसपोर्ट उपक्रम के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही समस्त मोटर उपक्रमों को मोटर परिवहन अधिनियम 1961 के अंतर्गत पंजीयन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। अधिनियम के उल्लंघन पर प्रावधानित दंड एवं सजा जिसमें 500 तक जुर्माना व तीन माह की सजा व दोनों से अवगत कराया गया।

जिला परिवहन अधिकारी सी.एल. देवांगन द्वारा समस्त ट् सभी वाहन संचालको को सुरक्षित वाहन संचालन तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालन करने के निर्देश दिये गये। साथ ही ट्रक संचालकों को माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार मालयानों से सामाग्री परिवहन करते समय 200 जीएसएम मापदंड की तारपोलिन से आवश्यक रूप से ढ़कने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सामुहिक प्रयास करते हुए मोटरयान अधिनियम के अधीन निर्धारित समायवधि अनुसार वाहन चालकों से वाहन चालन का कार्य लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया।बैठक में ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष संजीव सिंह सहित कुल 19 विभिन्न ट्रांसपोर्ट उपक्रमों के प्रतिनिधि, श्रम कल्याण अधिकारी सत्यनारायण अंनत, श्रम निरीक्षक कोमल सिंह मरावी एवं अभय दुबे उपस्थित रहे।

वन अमले ने चीतल मांस सहित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 26 अगस्त । वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी रूपेन्द्र कुमार साहू और उनकी टीम ने अवैध शिकार करते हुए दो अपराधियों को पकड़ा हैढ़ू एक आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को सराईपाली परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कक्ष क्रमांक 341, अर्जुनी से सराईपाली मार्ग (झाला ढोड़गी के पास) पर दो व्यक्ति मोटरसायकल से अवैध शिकार का मांस लेकर आ रहे हैं। सूचना पर गांजरडीह परिसर प्रभारी भरतलाल साहू, सुरक्षा श्रमिकों एवं टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर कार्रवाई की गई।जांच में दो व्यक्तियों भूषण प्रसाद पिता रंजीत कोड़ाकू एवं कोमलसाय पिता कार्तिक कोड़ाकू, निवासी ग्राम बिलाड़ी, के पास से 23.620 किलोग्राम ताजा चीतल का मांस, एक मोटरसायकल एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने उक्त मांस ग्राम अर्जुनी निवासी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा से लेना बताया जो वर्तमान में फरार है।प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 9, 39, 44, 48(क), 50 एवं 51 के तहत अपराध कायम कर पी.ओ.आर. नं. 15670/17 दिनांक 24/08/2025 दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय कसडोल में प्रस्तुत कर बलौदाबाजार जेल दाखिल कराया गया। फरार आरोपी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा सहित अन्य संभावित आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी डब्बू साहू, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी सुश्री रूपेश्वरी दीवान, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी सुश्री मीनाक्षी साहू, वनपाल भरतलाल साहू, परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर, वनरक्षक प्रवीण कुमार आडिले, वनरक्षक दिनेश कर्ष मौजूद थे।

पालना क्रेश कार्यकर्ता के लिए आवेदन 29 अगस्त तक

बलौदाबाजार, 26 अगस्त। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत बलौदाबाजार एकीकृत बाल विकास परियोजना में पालना क्रेश कार्यकर्ता के एक रिक्त पद पर भर्ती की जाएगी। पालना क्रेश कार्यकर्ता के 1 पद के लिए वार्ड क्रमांक 1 संयुक्त जिला कार्यालय बलौदाबाजार शामिल हैं।

धमकी देकर 4.93 लाख उगाही करने वाली महिला गिरफ्तार

भिलाई, 26 अगस्त। एक व्यक्ति को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 4.93 लाख की उगाही करने वाली महिला को भिलाई नगर थाने पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी सेक्टर 9 निवासी 24 अगस्त ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि आरोपी दुर्गा सिंह ने उसे झूठे केस में फसा देने, दोनों की बात को उसकी पत्नी को बताकर बदनाम करने वाट्सअप को दिखाकर व एसएमएस कर अपमानित करने एवं आत्महत्या करने की धमकी देकर 7 अगस्त से 15 अगस्त तक कुल 4,93, 000 रुपए की उगाही की है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी दुर्गावती देवी सिंह उर्फ दुर्गा निवासी स्मृतिनगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पानी रोकने नहरों को क्षति पहुंचाने वालों पर होगी कार्रवाई

बलौदाबाजार, 26 अगस्त । खेतों में ज्यादा पानी का उपयोग करने के लिए नहरों को क्षतिग्रस्त कर दिया जा रहा है जिससे नहर का पानी आगे गांव तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस समस्या को गंभीरतापूर्वक लेते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को तलब कर जानकारी ली और शासकीय परिसपत्ति नहर को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने कहा कि नहर को क्षति पहुंचाने वालों से जुर्माना वसूल किया जाया। यदि किसी पंचायत के द्वारा नहर को क्षति पहुंचाया जाता है तो एसडीएम के द्वारा नोटिस जारी कर सिंचाई अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी किसानों को पानी की जरूरत है।

शहर के विकास को लेकर विधायक की उपस्थिति में हुई बैठक

भिलाई, 26 अगस्त। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की उपस्थिति में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने नगर पालिक निगम के सभागार में शहर के विकास कार्य को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली । शहर में जो भी निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य हो रहे हैं, उन सभी कार्यों को गुणवत्तायुक्त एवं समय सीमा में पूर्ण कराने के संबंध में चर्चा हुई। सेन ने कहा मूलभूत जितने भी कार्य कराए जा रहे हैं या कराए जाने हैं, उनका उपयोग अति आवश्यक कार्यों को ध्यान में रखकर किया जाए। संपत्ति कर एवं जल कर वसूली सहित भवन अनुज्ञा जारी कर राजस्व वृद्धि को बढ़ाने में प्राथमिकता दी जाए। नगर निगम द्वारा आबंटित जमीन एवं बसाई हुई

कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुये प्रस्ताव भेजने हेतु चर्चा हुई। विधायक द्वारा निगम क्षेत्रांतर्गत निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य जो वर्तमान में संचालित हैं उसके सतत निरीक्षण पर जोर दिया गया। जवाहर नगर स्थित निगम स्वामित्व जमीन से अवैध कब्जा को मुक्त कराना है, साथ ही निगम स्वामित्व के जमीन में धर्म के नाम पर अवैध कब्जा को रोका जाना होगा। जैसे अवैध मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर के निर्माण को रोका जाये। निगम स्वामित्व के कालोनियों में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जावे। शासन को रोड, नाली, लाइटिंग के सुविधाओं को मुहैया कराने प्राथमिकता देना है। प्रियदर्शिनी परिसर, राधिका नगर, नेहरू नगर, साकेत नगर, स्लाटर हाउस रोड एवं अन्य निगम स्वामित्व द्वारा आवंटित भूमि पर निर्मित कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं को प्रथामिकता दिया जाये। ऐसे ही अन्य और कालोनी या बस्ती जहां कार्य की आवश्यकता है, प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने प्रस्तावित किए। केनाल रोड का विस्तारीकरण किया जाना है, जिसके लिए शासन से प्रस्ताव अनुसार स्वीकृति मिल गई है। संपत्ति कर वसूली, जल कर वसूली एवं नये भवन निर्माण हेतु अनुज्ञा देकर राजस्व की प्राप्ति को बढ़ाने में प्राथमिकता दी जावे। सुपेला संडे मार्केट में कार्यवाही करते हुए निगम स्वामित्व के जमीन में जो अवैध निर्माण किए है, उनको हटाना है। निगम क्षेत्र में जो भी निर्माणाधीन पानी टंकी एवं पाइप लाईन का कार्य कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता में ध्यान देते हुए कार्य कराएं। निगम द्वारा प्रदाय आवास, गुमटी एवं दुकान जिनका कोई वास्तविक आबंटिती नहीं हैं और अवैध बसाहट व संचालित है ऐसे आबंटन को जिला चयन समिति द्वारा निरस्त कराया जाना है। घासीदास नगर, जवाहर नगर, कोसा नाला के आवासों में बसे नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास द्वारा निर्मित मकानों में प्राथमिकता देते हुये स्थानांतरित करना होगा।

मुंशी की हत्या के मामले में 3 गिरफ्तार

भिलाई, 26 अगस्त। भिलाई अंजोरा चौकी अंतर्गत आपसी विवाद के चलते ईंट भट्टे में काम करने वाले मुंशी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर

दी इस मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है अंजोरा चौकी पुलिस ने बताया कि ईट भट्टे पर काम करने वाले मुंशी किशनलाल साहू (50 साल) निवासी झांझर केरा (जिला धमतरी) की रविवार को आपसी विवाद पर तीन युवकों ने कुल्हारी मारकर हत्या कर दी इस मामले में पुलिस ने आरोपी काशी चौहान, घनसाय साहू व लकेश यादव को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया है।

संक्षेप-समाचार

9.49 करोड़ की लागत से होगा इन तीन सिंचाई योजनाओं के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य

रायपुर, 25 अगस्त .मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और कृषि उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से जशपुर जिले में तीन महत्वपूर्ण सिंचाई योजनाओं के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। 9 करोड़ 49 लाख 23 हजार की लागत के इन तीन सिंचाई योजनाओं के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो जाने से सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इससे कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ने से किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री श्री साय कि पहल पर जिन कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है उनमें विकासखंड फरसाबहार में 03 करोड़ 47 लाख 21 हजार रुपए लागत से कोनपारा (दलटोली डेम) का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य, 03 करोड़ 46 लाख 14 हजार रुपए की लागत के विकासखंड बगीचा में सोरो व्यपवर्तन योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य और 2 करोड़ 55 लाख 88 हजार रुपए की लागत से विकासखंड फरसाबहार की अंकिरा तालाब योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य शामिल है। इन कार्यों के पूर्ण हो जाने पर सिंचाई की सुविधा में बढ़ोतरी होगी। किसानों को वर्षभर फसलों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इसके साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा जिससे सूखे की स्थिति में भी फसलों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इन कार्यों के पूरा हो जाने से न केवल किसानों की आय और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण अंचल की कृषि आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

रायपुर,26 अगस्त। आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय आर डी तिवारी आमापारा रायपुर में 20 अगस्त से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया . अः प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा नव निर्मित पाठ्यपुस्तकों का

अध्यापन करने के तरीकों पर रायपुर शहर में मिडिल की कक्षाओं में अध्यापन कराने वाले 81 शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। इस प्रशिक्षण में हिन्दी विषय की गहनता और विद्यार्थियों तक सरल प्रस्तुति पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया l प्रशिक्षक – श्रीमती कीर्ति श्रीवास्तव, डाक्टर श्रीमती प्रेमलता तिवारी, श्रीमती कुसुमलाता दास और श्रीदेवी ने हिन्दी भाषा शिक्षण के तरीके उसके शिक्षण शास्त्र और समावेशी शिक्षा आदि पर चर्चा की गई। शिक्षकों ने बताया की इस प्रशिक्षण में किस प्रकार से विद्यार्थियों को भाषा के कौशलों में गतिवधियों के सहयोग से दक्ष बना सकते हैं। की सभी बच्चे मौखिक भाषा और साक्षरता के साथ साथ प्रभावी सप्रेष्ण कौशल प्राप्त कर सकते हैं। सहभागी शिक्षको ने बताया की प्रशिक्षण में समय समय पर ब्लाक के अधिकारियों ने भी आकर शिक्षकों को संबोधित किया और विभिन्न सुविधाओं पर बातचीत की ।

27 को मटन मार्केट पूरी तरह बंद रहेगा

राजनांदगांव 26 अगस्त। राज्य शासन के आदेशानुसार गणेश चतुर्थी एवं पयूषर्ण पर्व के प्रथम दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 27 अगस्त 2025 दिन बुधवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि उक्त दिवस पर मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करते हुये 5 हजार रूपये तक जुर्माना वसूल करे। उन्होंने समस्त स्वच्छता निरीक्षकों को उक्त दिवस को अपने अपने क्षेत्र में पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिये है।

महापौर ने दी तीजा एवं गणेश चतुर्थी की बधाई

राजनांदगांव 26 अगस्त। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नगर की महिलाओं को तीजा तिहार की बधाई दी साथ ही गणेश चतुर्थी की नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुये गणेश पर्व को भक्ति भाव एवं उमंग व उल्लास के साथ मनाने की अपील की है। महापौर श्री यादव ने तीजा पर अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक त्यौहार तीजा में महिलाएं निर्जला उपवास कर भगवान शंकर पार्वती की पूजा कर अपने पति के दीर्धायु होने की कामना करती है। साथ ही तीजा व्रत रखने से महिलाओं को सौभाग्य के साथ साथ सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसके अलावा परिवार में भी बरकत आती है। उन्होंने कहा कि तीजा पर्व ऐसा पारंपरिक त्यौहार है जिसमें महिलाये अपने मायके आकर माता पिता, भाई के घर यह त्यौहार मनाती है। तीजा के दिन निर्जला व्रत रख शंकर पार्वती की पूजा कर चतुर्थी के दिन उपवास तोडते है। उन्होंने पुनः महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं दी है। महापौर श्री यादव ने गणेश पर्व की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि भगवान श्री गणेश भोले भाले एवं सादगी के प्रतीक है। इनकी भक्ति के कारण इन्हें प्रथम पूजे जाने का वरदान प्राप्त हुआ था। इसीलिये किसी भी धार्मिक पूजा पाठ एवं शुभकार्य के पहले भगवान श्री गणेश की पूजा अराधना की जाती है। उन्होंने कहा कि गणेश पर्व बहुत उत्साह से मनाया जाता है, जहॉ बडे छोटे समितियों द्वारा बडी बडी प्रतिमा स्थापना सार्वजनिक तौर पर की जाती है। वही घर घर प्रतिमा स्थापना कर सुख समृद्धि की कामना की जाती है।

उन्होंने तीजा एवं गणेश पर्व की पुनः शुभकामना देते हुये नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ओसाका इन्वेस्टर कनेक्ट : छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

रायपुर, 26 अगस्त ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (!100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर श्री नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विशेषकर फूड प्रोसेसिंग, प्रौद्योगिकी और उन्नत वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ को उपयुक्त अवसरों का प्रदेश बताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, "छत्तीसगढ़ निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ वैश्विक साझेदारों को अवसर और सहयोग दोनों मिलते हैं। जापान के साथ हमारी साझेदारी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। ओसाका में हुई चर्चाएँ न केवल निवेश लेकर आएँगी, बल्कि हमारे किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करेंगी और विकसित छत्तीसगढ़ की नींव को और अधिक मजबूत करेंगी।"

अरुण साव ने किया नालंदा परिसर का भूमिपूजन

कांकेर,26 अगस्त। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज कांकेर में नगर घड़ी चौक के पास नालंदा परिसर (सेंट्रल लायब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) का भूमिपूजन किया। चार करोड़ 71 लाख रूपए की लागत से इस 250 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। सांसद श्री भोजराज नाग और विधायक श्री आशाराम नेताम भी इस दौरान उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नालंदा परिसर के निर्माण के लिए भूमिपूजन करने के बाद कांकेरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। जनसुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों को स्वच्छता में रैंकिंग में सात अवॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं जो नागरिकों की जागरूकता और नगरीय प्रशासन विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं। श्री साव ने कार्यक्रम में बताया कि पिछले एक साल में प्रदेश भर के नगरीय निकायों को सात हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि आबंटित की गई है। कांकेर नगर पालिका को भी 21 करोड़ रूपए विभिन्न विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार बनते ही पीएससी घोटाले की जांच कराकर युवाओं के साथ न्याय किया गया। इसी तरह मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया जिससे प्रदेशभर के 300 से अधिक शिक्षकविहीन विद्यालयों

में शिक्षक पदस्थ किए गए तथा 5 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अध्यापकों की व्यवस्था की गई। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि 'सिटी डेवलपमेंट प्लान' के तहत आगे भी विकास कार्यों के लिए कांकेर जिले के नगरीय निकायों को पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए नालंदा परिसर का लाभ लेने और अपना भविष्य संवारने की बात कही। उन्होंने नालंदा परिसर के निर्माण हेतु अनुबंधित एजेंसी को समय से पहले गुणवत्तायुक्त परिसर का निर्माण करने तथा शहर की गरिमा के अनुरूप कार्य करने के लिए निर्देशित किया। सांसद श्री भोजराज नाग ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पूरा कर रहे हैं। पुराने समय के तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों की तर्ज पर प्रदेश सरकार प्रतिभाओं को आगे लाने और अवसर प्रदान करने लगातार प्रयास कर रही है। विधायक श्री आशाराम नेताम ने जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित मावा मोदोल कोचिंग सेंटर की उपलब्धियों तथा यहां के बच्चों के होमगॉर्ड में चयनित होने की जानकारी दी। उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री श्री साव द्वारा कांकेर नगर के विकास के लिए बजट में प्रावधान करने पर आभार प्रकट किया। नगर पालिका के अध्यक्ष श्री अरूण कौशिक ने शहर में अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, उपाध्यक्ष श्रीमती ताराबती ठाकुर, कांकेर नगर पालिका के उपाध्यक्ष श्री उत्तम यादव, पूर्व विधायकद्वय श्रीमती सुमित्रा मारकोले एवं श्री शिशुपाल शोरी तथा जिला पंचायत के सी.ई.ओ. श्री हरेश मंडावी सहित पार्षदगण और अनेक गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

युवा कैट बिज़नेस मीट उत्साह के साथ संपन्न

रायपुर,26 अगस्त। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के युवा कैट प्रदेश प्रभारी अवनीत सिंह ,युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष श्री कांति पटेल, प्रदेश महामंत्री श्री रतनदीप सिंह और प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि युवा कैट द्वारा आयोजित बिज़नेस मीट अत्यंत उत्साह और जोश के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर शहर के 100 से अधिक वर्गों के व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह जी रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी। साथ ही सहायक पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री प्रशांत शुक्ला जी भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर युवा कैट के अध्यक्ष श्री कांति पटेल, महामंत्री श्री रतनदीप सिंह, कोषाध्यक्ष श्री भारत भूषण गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष श्री अवनीत सिंह, श्री विजय पटेल, श्री दीपक विधानी, श्री विक्रांत राठौर एवं अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित

रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह जी ने व्यापारियों को साइबर फ्रॉड से बचाव और दुकानों की सुरक्षा के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि व्यापारी समाज कुछ स्वयंसेवक/वार्डन बनाकर लोगों तक ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता फैला सकते हैं।

कल्लूबंजारी और जोशीलमती में स्कूली बच्चों को साईबर सुरक्षा के प्रति किया गया जागरुक

राजनांदगांव 26 अगस्त । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के छुरिया 01 एवं छुरिया 02 परियोजना अंतर्गत आने वाले ग्राम कल्लूबंजारी एवं जोशीलमती के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किशोर बालिकाओं को जागरूक किया गया। ग्राम कल्लूबंजारी में उपनिरीक्षक श्री ओम साहू और जोशीलमती में श्री प्रवीण मेश्राम द्वारा शाला की किशोरी बालिकाओं को साईबर बुलिंग, फिशिंग, साईबर युमिंग, ऑनलाईन गेमिंग, कॉफेस कॉल, फर्जी वॉइस एवं विडियो कॉल, फर्जी सिम, कॉल क्लोनिंग, साईटर स्टोकिंग, ट्रेडिंग, शेयर मार्केट, डिजिटल अरेस्टिंग, घर बैठे बैंकिंग लोन, लोन के नान पर सर्विस टैक्स और प्रोसेसिंग के नाम पर ठगी, वर्क फ्राम होम और ऑनलाईन जांच के झांसे शेयर मार्केट और किप्टो करेन्सी और बिट कॉइन के माध्यम से रूपए डबल और ट्रिपल करने जैसे झांसे, कौन बनेगा करोड़पति, लाखों रूपए की लॉटरी, केडिट कार्ड और सस्ते टम्प्रस इश्योरेन्स, फर्जी भुगतान का मैसेज, फर्जी पेमेंट स्कैनर एटीम कार्ड की अदला-बदली करने वालों ठगों से सावधान रहने की हिदायत दी गई। अनजान नंबर को उठाने से पहले ट्रू कॉलर में सर्च करने इसके साथ ही निजी एवं गोपनीय तस्वीरें, चाईल्ड पोर्नोग्रॉफी, आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफार्म में साझा नहीं करने और लाईक अथवा शेयर नहीं करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया का सावधानी से प्रयोग, 2 स्टेप वेरिफिकेशन, स्ट्रॉग पासवर्ड, प्राईवेसी लॉक को हमेशा एक्टिव रखने की सलाह दी गई। रिश्ते जोडने का झांसा फर्जी मेट्रोमोनियल साईटस, अनजाने शॉपिंग साईट्स का इस्तेमाल नहीं करने और किसी भी प्रकार की साईबर ठगी होने की दशा में नेशनल हेल्प लाईन 1930 में डॉयल कर अपने शिकायत दर्ज करने जैसी उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही खुशबू एवं डिम्पल को शाला में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए भी पुरस्कृत किया गया।

स्टेट व नेशनल हाइवे में घुमंतू पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार के लिए व्यवस्था सुदृढ़ की जाए: रामविचार नेताम

रायपुर, 26 अगस्त ■ तरुण छत्तीसगढ़

पशुधन एवं मछलीपालन मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पशुधन एवं मछलीपालन विभाग मिलने के बाद यह मंत्री श्री नेताम की पहली बैठक है। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि गाय हमारी आध्यात्मिक मान्यता के साथ ही मानसिक संवेदनाओं से जुड़ी हुई है। स्टेट व नेशनल हाइवे पर घूमंतु पशुओं की दुर्घटनाएं देखने को मिलती है, जो पीड़ादायक होती है। उन्होंने कहा कि स्टेट व नेशनल हाइवे में घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायल पशुओं के उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के आसपास घटित होने वाली पशु दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए नगरीय निकायों के समन्वय से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना चाहिए। मंत्री श्री नेताम ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न किस्मों की मछलियों का उत्पादन हो रहा है, इसमें बस्तर का झींगापालन भी शामिल है। उन्होंने मछलियों के उत्पादन में वृद्धि करने के साथ ही नवा रायपुर अटल नगर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके लिए विभागीय अधिकारियों के दल को चंडीगढ़, गुजरात एवं अन्य राज्यों में अध्ययन के लिए भेजकर परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में दो-दो फिश प्रदर्शन तालाब बनाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि हर क्षेत्र का क्लाइमेंट अलग-अलग होता है। क्लाइमेंट के अनुरूप पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन एवं सुकरपालन की गतिविधियां संचालित

की जाए ताकि पशुपालकों को इसका बेहतर लाभ मिले। पशुपालकों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है उनके लिए चारा की व्यवस्था करना, पशुओं को हरी घास मिले इसके लिए योजना बनाई जाए। उन्होंने सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया और सूरजपुर जिले में स्लाइज उत्पादन पर भी जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने मत्स्य और पशुपालन किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को आय दोगुनी करने नवाचार के साथ ही तकनीकी उपयोग पर बल दिया है। छत्तीसगढ़ में भी मत्स्य पालक किसानों की आय को बढ़ाने के योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए। उन्होंने कहा कि केज कल्चर के जरिए मत्स्य पालन में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने नीलक्रांति योजना को बढ़ावा देने के साथ ही फिनफिश हैचरीज की स्थापना, मत्स्य बीज उत्पादन, नवीन तालाबों का निर्माण एवं मछली पालन, केज कल्चर, पंगेसियस हैचरी, तेलपिया कल्चर को बढ़ावा देने तथा राज्य तथा केन्द्र की योजनाओं का लाभ मत्स्य किसानों को पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में मछुआ समितियों को प्राथमिकता के तौर पर मछलीपालन के व्यवसाय से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार, पशुधन विभाग के संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा, मछलीपालन विभाग के संचालक श्री नारायण सिंह नाग सहित इन विभागों के वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

गणेश पर्व को देखते हुये पेचवर्क , विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के दिये निर्देश

राजनांदगांव 26 अगस्त। नगर निगम के विभागीय अधिकारियों की बैठक में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने गणेश पर्व को देखते हुये शहर में पेचवर्क सहित विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के अलावा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वूमेन फार ट्री के तहत शहर में लग रहे वृक्षारोपण के प्रगति की जानकारी ली। बैठक में निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा सहित महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सुनील साहू, राजेश जैन रानू, सावन वर्मा, शैकी बग्गा, अलोक श्रोती, श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय एवं डीलेश्वर साहू की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में महापौर श्री यादव ने पेयजल सप्लाई के बारे मे चर्चा कर गर्मी में जिन वार्डो में पानी की समस्या आई उसे कैसे ठीक करना है, उसके लिए अभी से कार्य योजना तैयार कर कार्य करे। लिकेज टंकियो को ठीक कर खराब वाल्व का मरम्मत करे तथा आवश्यकता अनुसार नया वाल्व लगाये। उन्होंने जल विभाग के अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में वर्षा ऋतु चल रही है, जिसमें पानी की खपत कम होती है इस आधार पर कम पानी आने वाले क्षेत्रों को चिन्हांकित कर व्यवस्था दुरूस्त करे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि आवश्यकतानुसार इंटर कनेक्शन एवं पाईप लाईन विस्तार करने कार्य योजना तैयार की जा रही है। महापौर ने विद्युत व्यवस्था के संबंध में कहा कि गणेश पर्व को देखते हुए शहर में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त रखे, विसर्जन कुण्ड के आस पास भी लाईट की पर्याप्त व्यवस्था हो, साथ ही डिवाईडरो की लाईटे भी ठीक करे। बरसात के हिसाब से विद्युत समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखे। महापौर श्री यादव ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यो की जानकारी लेकर समस्त निर्माण कार्य में तेजी लाकर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। योजनाओ के कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करे। 15वें वित्त आयोग के प्रस्ताव शासन को भेजना है इस संबंध में आवश्यक तैयारी करे। गणेश पर्व पर झाकी निकलने वाली सड़को का निरीक्षण कर पेचवर्क करे तथा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेज रोड, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड क्षेत्र की डिवाईडर का मरम्मत कर विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करे, क्योकि उपरोक्त क्षेत्रों में बाहर के लोगो का आना जाना लगा रहता है और इन्ही क्षेत्रों से शहर की छवि बनती है। महापौर श्री यादव ने वूमेन फार ट्री योजना के तहत शहर में किये जा रहे वृक्षारोपण के प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि इस योजना के तहत शहर में लगभग 7 हजार पौधे लगनी है, जिन क्षेत्रो का चयन किया गया है उस स्थल के कार्यो में प्रगति लाये, संबंधित एजेंसी से सम्पर्क कर सामंजस्य से वृक्षारोपण करना सुनिश्चित करे। आयुक्त ने जानकारी दी कि गड्ढे खोदने का कार्य अंतिम चरण मे है, सभी क्षेत्रो में वृक्षारोपण के लिए लगी दीदीया कार्य कर रही है।

प्रत्येक जोन कार्यालय में प्रतिदिन 100 डिमांड बिल वितरित करने के निर्देश

रायपुर,26 अगस्त। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, राजस्व विभाग अध्यक्ष श्री अवतार भारती बागल, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर राजस्व वसूली कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप किये जाने के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक नगर निगम अपर आयुक्त श्री यू. एस. अग्रवाल द्वारा उपायुक्त राजस्व डॉक्टर अंजलि शर्मा की उपस्थिति में लेकर आवश्यक निर्देश दिये गए. समीक्षा बैठक में नगर निगम अपर आयुक्त राजस्व ने दिये गये साप्ताहिक लक्ष्य को प्राप्त करने, संपत्तिकर में नियमानुसार छुट की सूचना समस्त संपत्ति करदाताओं को सार्वजनिक मुनादी एवं अन्य माध्यम से प्रदान करने, जिस क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है, उस सर्वेक्षित क्षेत्र में डिमांड बिल वितरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं. नगर निगम अपर

आयुक्त राजस्व ने रायपुर नगर पालिक निगम के बड़े बकायादारों के विरूद्ध वसूली एवं कुर्की की कार्यवाही शीघ्र आरंभ करने और कार्यवाही उपरांत साप्ताहिक रिपोर्ट देने, प्रतिदिन अपने जोन क्षेत्र के अन्तर्गत लगभग 100 डिमांड बिल वितरण किया जाना सुनिश्चित करने और दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक समस्त वार्डों में डिमांड बिल का 100 प्रतिशत वितरण का कार्य सुनिश्चित करने निर्देश दिए हैं, ताकि संपत्तिकर प्राप्त नहीं होने की दशा में नोटिस एवं अन्य कार्यवाही की जा सके.

अपर आयुक्त राजस्व श्री यू. एस. अग्रवाल ने उपायुक्त राजस्व डॉक्टर अंजलि शर्मा की उपस्थिति में समीक्षा बैठक में सभी जोन कार्यालय में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक आयोजित कर संबंधित सोसाइटीज को उनके संपत्तिकर जमा करने से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करने, स्वच्छता दीदी, महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं एवं जोन के अन्य कर्मचारियों को भी डिमांड बिल वितरण में लगाये जाने के निर्देश दिए गए हैं.

संपादकीय

दांव ऐसा है कि हार तय है

राजनीति शतरंज के बिसात से कम नहीं होती है, राजनीतिक दल इसमें एक दूसरे को मात देने के लिए चालें चलते रहते हैं। माहिर खिलाड़ी तो वही माना जाता है कि जिसकी चाल की कोई काट नहीं होती है। उस एक चाल का मतलब होता है कि मात तो तय है, मात से बचा नहीं जा सकता। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और वोट चोरी का दांव चलकर मोदी सरकार को सवालों के कठघरे में खड़े करने का प्रयास किया लेकिन ठोस सबूत न होने के कारण वह सफल नहीं हो सके हैं। वहीं मोदी सरकार ने संविधान संशोधन 130 लोकसभा में पेश कर ऐसा दांव चला है कि राहुल गांधी सहित विपक्ष को सूझ नहीं रहा है कि इसकी काट कैसे करें। पीएम मोदी और शाह शुरू से राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ रहे हैं। उनकी सरकार की छवि भ्रष्टाचार विरोधी की है। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश करने से उनकी भ्रष्टाचार विरोधी छवि और निखरेगी। लोगों में यह धारणा बनेगी कि देखो पीएम मोदी ऐसे नेता हैं जो चाहते तो पीएम पद को इस संविधान संशोधन से बाहर कर सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया है, इसलिए पीएम मोदी ईमानदार नेता है, वह ईमानदार है इसलिए वह ऐसा संविधान संशोधन लाने की हिम्मत की जो आज तक लाने की हिम्मत कोई पीएम नहीं कर सका है। पीएम मोदी और शाह जानते हैं कि राहुल गांधी और विपक्ष इस संविधान संशोधन का विरोध ही करेंगे और वह खुद ही जनता की नजर में भ्रष्टाचार समर्थक साबित होंगे। इस संविधान संशोधन का समर्थन करने का मतलब है कि दल और उसके नेता भ्रष्टाचार के विरोधी है,यानी जो भ्रष्टाचार करेगा, उसे पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। इस संविधान संशोधन का कोई दल या नेता विरोध करेगा तो वह जनता की नजर में भ्रष्टाचार का समर्थक ही साबित होगा। पीएम मोदी और शाह ने यह संविधान संशोधन विधेयक लाकर एक लकीर खींच दी है कि जो संविधान संशोधन समर्थक है, वह ईमानदार है, राजनीतिक भ्रष्टाचार का विरोधी है और जो लकीर के दूसरी तरफ है, वह ईमानदार नहीं है और वह नहीं चाहता है कि राजनीतिक भ्रष्टाचार देश में कम होना चाहिए या समाप्त होना चाहिए।

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में बिजनेस को लेकर यदि कुछ आइडिया आये, तो आप उससे तुरंत आगे न बढ़ाएं। किसी अजनबी से आप कोई लेनदेन करने से बचें। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है और आप किसी धन की समस्या को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आप अपने खर्चों को भी लिमिट में करके चलें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। पार्टनरशिप में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। यदि आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। आपको अपने किसी मित्र की याद सता सकती है। आप किसी पार्टी को करने की योजना बना सकते हैं। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सतर्क रहना होगा, क्योंकि कुछ विरोधी आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे। आपको बिजनेस में किसी नई डील को फाइनल करने का मौका मिलेगा।

मिथुन आज आपके निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। नौकरी में आपको थोड़ा सजग रहकर कामों को करना होगा। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। आप कुछ नए कामों को करने की कोशिश करेंगे, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। माता जी की सेहत को लेकर आपको थोड़ी टेंशन हो सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आज आप किसी से उधार का लेन-देन ना करें, नहीं तो आपको उसे उतारने में समस्या आएगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। किसी नए काम में आपको जीत मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप आज किसी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें। तो उससे आपको धोखा मिल सकता है। आप अपने घर के रेनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं। दोस्तों के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे।

सिंह आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उनकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। ससुराल पक्ष से आपको मान-सम्मान मिलता दिख रहा है। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चले, तो आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

कन्या आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी एतियात बरतनी होगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। परोपकार के कार्यो में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आप अपने परिवार की समस्या को किसी बाहरी व्यक्ति के सामने उजागर न करें, नहीं तो वह इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेंगे। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

तुला आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। सगे संबंधियों से मिलने का आपको मौका मिलेगा। सामाजिक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने के पूरी संभावना है। आपको अपने आसपास रख रहे विरोधियों से सतर्क रहना होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होंगी। आपको किसी छोड़े हुए नौकरी का दोबारा ऑफर आ सकता है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। आपकी कोई मूल्यवान वस्तु यदि खो गई थी, तो उसको मिलने की आपको पूरी संभावना है। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको नौकरी में अपने काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। पैतृक संपत्ति को लेकर आप अपने भाई और बहनों से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना होगा। कोई फैसला आप जल्दबाजी में न लें।

धनु आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से संबंधों में यदि कटुता चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने कामों को लेकर थोड़ा सोच समझकर भी आगे बढ़ें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको अपने अनुभवों का कार्यक्षेत्र में पूरा लाभ मिलेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चो पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए रहेगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें और आप अपने बिजनेस को आगे ले जाने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती हैं। आप अपनी सोच में सकारात्मकता बनाए रखें। जीवनसाथी से आप संतान के करियर को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कुंभ आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपनी आय को बढ़ाने के लिए जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सामाजिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

मीन आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपनी आय और व्यय में भी संतुलन बनाकर चलना होगा। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी। आप अपने बिजनेस को लेकर कुछ नए निर्णय लेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आप अपनी अच्छी सोच का फायदा उठाएंगे। ननिहाल पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो उसे भी आप लौटने की पूरी कोशिश करेंगे।

तेजस्वी राहुल को पीएम बनाने को तैयार लेकिन...

अजय कुमार,

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा इन दिनों बिहार की सड़कों पर धूम मचा रही है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा की तरह ही राहुल गांधी यहां भी पूरे जोश के साथ डटे हुए हैं। यात्रा में मजा आना जरूरी है, जैसा कि राहुल खुद कहते हैं, और लगता है कि उन्हें तेजस्वी यादव के साथ यह सफर खूब रास आ रहा है। लेकिन इस मजेदार सफर के बीच एक सवाल बार-बार उछल रहा है- क्या राहुल गांधी तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री पद का चेहरा मानने से कतरा रहे हैं? तेजस्वी तो राहुल को प्रधानमंत्री बनाने की बात खुलकर कर रहे हैं, लेकिन राहुल की तरफ से वैसी ही निष्ठा क्यों नहीं दिख रही? यह सवाल बिहार की राजनीति में तूफान खड़ा कर रहा है, खासकर जब 2025 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं।यात्रा की शुरुआत सासाराम से हुई, जहां राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने मिलकर चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोटर लिस्ट से नाम काट रहा है, और इसे 'एसआईआर' (सिस्टेमेटिक इलेक्टोरल रोल) का नाम देकर संस्थागत चोरी कर रहा है। यहां तक कि छोटे बच्चे भी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगा रहे हैं, जैसा कि राहुल ने खुद बताया। यात्रा में बुलेट बाइक पर सवार होकर दोनों नेता जनता के बीच पहुंचे, जो एक आकर्षक दृश्य था। लेकिन इसी दौरान कुछ हादसे भी हुए- काफिले की गाड़ियों से दो सुरक्षा जवानों को चोट लगी, और एक युवक ने अचानक राहुल को किस कर लिया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया, और सवाल उठा कि आगे कौन लीड कर रहा है- राहुल या तेजस्वी? तेजस्वी यादव राहुल को 'बड़े भाई' कहकर संबोधित कर रहे हैं, और उनकी हर बात में सम्मान झलकता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब चिराग पासवान पर सवाल उठा, तो तेजस्वी ने उन्हें 'बड़े भाई' बताते हुए शादी करने की सलाह दी। राहुल हंस पड़े और बोले, 'यह मेरे लिए भी लागू होता है।' तेजस्वी ने तुरंत जवाब दिया कि पापा (लालू यादव) ने आपको यह सलाह पहले ही दे दी है। याद कीजिए, लोकसभा चुनाव से पहले पटना की इंडिया ब्लॉक मीटिंग में लालू यादव ने राहुल से कहा था, 'आप दूल्हा बनिए, हम बाराती बनने को तैयार हैं।' अब तेजस्वी भी यही बात दोहरा रहे हैं कि राहुल देश के प्रधानमंत्री बनें। लेकिन राहुल तेजस्वी को बिहार का सीएम फेस घोषित करने से क्यों बच रहे हैं?

यह सवाल मीडिया ने राहुल से कई बार पूछा। अररिया में एक संवाददाता सम्मेलन में जब पूछा गया कि तेजस्वी आपको पीएम बनाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस तेजस्वी को सीएम फेस क्यों नहीं मान रही? राहुल ने जवाब दिया, 'हमारी पार्टनरशिप बहुत अच्छी है, कोई टेंशन नहीं, म्यूचुअल रिस्पेक्ट है, हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं, मजा आ रहा है। राजनीतिक और वैचारिक रूप से हम जुड़े हुए हैं, अच्छा रिजल्ट आएगा।' लेकिन सीधा जवाब नहीं दिया। बिहार कांग्रेस के नेता जैसे कृष्णा अल्लावरु या राजेश कुमार भी यही सवाल टालते रहे हैं। वे कहते हैं कि यह फैसला आरजेडी का है, या फिर तेजस्वी चुनाव अभियान समिति के प्रमुख हैं। लेकिन सच्चाई यह लगती है कि कांग्रेस की हरी झंडी का इंतजार है। क्या राहुल को तेजस्वी पर भरोसा नहीं? तेजस्वी तो अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ रहे। वे राहुल को बड़े भाई बताते हैं, उनके साथ बाइक चलाते हैं, और पीएम बनाने का ऐलान करते हैं। लेकिन राहुल का रुख 'फूफा' जैसा क्यों लग रहा है? आजकल सोशल मीडिया पर फूफा की नाराजगी के रील्स खूब चलते हैं, जहां फूफा शादी में रूठ जाते हैं। यहां भी राहुल को 'दूल्हा' बनने की सलाह दी जा रही है, लेकिन वे तेजस्वी को 'दूल्हा' बनाने से कतरा रहे हैं। लालू यादव ने नीतीश कुमार को भी पीएम बनाने पर हामी भरी थी, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था, क्योंकि वे नीतीश को सीएम भी नहीं रहने देना चाहते थे। लेकिन तेजस्वी के मामले में राहुल का डर क्या है? तेजस्वी तो ममता बनर्जी या अरविंद केजरीवाल की तरह चुनौती नहीं दे रहे।बिहार की राजनीति में महागठबंधन की एकता जरूरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आरजेडी ने 4 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 3। 2020 के

विधानसभा चुनाव में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी 71 सीटों के साथ। लेकिन कांग्रेस जूनियर पार्टनर की भूमिका से बाहर निकलना चाहती है। राहुल की बिहार यात्राएं दलितों और युवाओं पर फोकस कर रही हैं, जो आरजेडी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकती हैं।

कांग्रेस को लगता है कि आरजेडी की जाति-आधारित राजनीति से अलग, वे रोजगार, शिक्षा और सेकुलरिज्म पर लड़ेंगी। लेकिन इससे आरजेडी चिंतित है। वाम दल भी चुप हैं, लेकिन वे तेजस्वी को सीएम मानने में कोई दिक्कत नहीं देखते। यात्रा में उत्साह है। औरंगाबाद में दोनों नेताओं ने सूर्य मंदिर में पूजा की, जहां महिलाएं 'वोट चोर गद्दी छोड़' का नारा लगा रही थीं। पूर्णिया में बाइक रैली ने जनता को आकर्षित किया। लेकिन पप्पू यादव जैसे नेता तेजस्वी को 'अहंकारी युवराज' कहकर हमला कर रहे हैं। एक रैली में पप्पू यादव को मंच से नीचे धकेला गया था, जब राहुल मौजूद थे। यह दिखाता है कि महागठबंधन में आंतरिक कलह है। तेज प्रताप यादव भी अलग जन संवाद कर रहे हैं, जो तेजस्वी के लिए चुनौती बन सकता है।भाजपा इस पर चुटकी ले रही है। वे कहते हैं कि राहुल का अहंकार दिख रहा है, जो सीएम फेस पर सवाल टाल रहे हैं। नीतीश कुमार और मोदी पर हमले हो रहे हैं, लेकिन महागठबंधन की एकता पर सवाल हैं। राहुल की न्याय यात्रा और भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से प्रेरित यह यात्रा वोटर अधिकारों पर फोकस है, लेकिन इसमें राजनीतिक महत्वाकांक्षा छिपी है। क्या राहुल बिहार में कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं, या तेजस्वी को सीएम बनने से रोक रहे हैं? लालू का सोनिया गांधी को समर्थन वैसा ही था, जैसा अब तेजस्वी का है। लेकिन राहुल का रुख अलग है।अगर महागठबंधन जीतता है, तो सीएम कौन बनेगा? तेजस्वी की मेहनत और राहुल की लोकप्रियता मिलकर नीतीश को चुनौती दे सकती है। लेकिन भरोसे की कमी से हार भी हो सकती है। यात्रा में मजा आ रहा है, लेकिन सवाल बाकी हैं- क्या राहुल तेजस्वी को 'दूल्हा' बनने देंगे, या फूफा बनकर रूठे रहेंगे? बिहार की जनता देख रही है, और चुनाव बताएंगे कि यह पार्टनरशिप कितनी मजबूत है। यह यात्रा सिर्फ वोटर अधिकारों की नहीं, बल्कि नेतृत्व की जंग भी है। राहुल की पिछली यात्राओं में तन्मयता दिखी, लेकिन यहां तेजस्वी के साथ समानता क्यों नहीं? तेजस्वी ने कहा कि राहुल पीएम बनेंगे, अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आया। लेकिन बिहार में कांग्रेस का चुप रहना संदेह पैदा करता है। क्या कांग्रेस ज्यादा सीटें मांग रही है? या राहुल को तेजस्वी की छवि पर शक है? लालू की पुरानी बातें याद आती हैं, जब उन्होंने नीतीश को 'जहर पीकर' सीएम बनाया था। लेकिन अब मकसद तेजस्वी को सीएम बनाना है, और राहुल रास्ते में रोड़ा नहीं बन सकते, क्योंकि वे खुद बिहार के सीएम नहीं बनने वाले। सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी है। लोग कहते हैं कि राहुल की यात्रा महागठबंधन को मजबूत कर रही है, लेकिन कुछ इसे राहुल का हाईजैक मानते हैं। तेजस्वी की तरफ से पूरा समर्थन है, लेकिन राहुल वैसा क्यों नहीं कर रहे? क्या यह रणनीति है, या भरोसे की कमी? चुनाव नजदीक हैं, और यह सवाल जवाब मांग रहे हैं। महागठबंधन की एकता पर निर्भर करेगा बिहार का भविष्य। राहुल और तेजस्वी का यह सफर मजेदार है, लेकिन राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण भी। जनता की नजरें टिकी हैं कि क्या यह जोड़ी नीतीश-मोदी को हरा पाएगी, या आंतरिक मतभेद सब बिगाड़ देंगे।

कुत्ता प्रसंग और युधिष्ठिर

व्यंग्य

प्रमोद भार्गव

आजकल न्यायालय से सड़क तक कुत्ता प्रसंग चल रहा है। यह गोवंश को बचाने से कहीं ज्यादा अहम् हो गया है। अब अह्म तो दोनों ही हैं, गाय दूध के लिए माता कही जाती है और कुत्ता आदमी का वफादार मित्र है। उसकी यही कृतज्ञता के फलतः महाभारत युग में धर्मराज युधिष्ठिर अपने अनुजों के साथ भक्त कुत्ते को भी स्वर्गारोहण के लिए ले गए थे। जैसे कुत्ता न हुआ शरीर का कोई अभिन्न हिस्सा हुआ। आवारा और अनाथ बच्चों के आश्रयों की तरह देश में पशु-आश्रय स्थल भी बन गए हैं। इनमें आवारा, कटखना, खोए हुए कुत्तों और बिल्लियों को शरण दी जाती है। घर के कई बुजुर्ग, कई-कई संतान होने के बाद भी वृद्धाश्रमों में दिन काटने को मजबूर हैं। नाती-पोतों से वंचित रहते हुए अकेलेपन को अवसाद में भोग रहे हैं। बढ़ते एकल परिवारों में बूढ़ों का यही हश्र हो रहा है। लेकिन देश को इन बूढ़ों से कहीं ज्यादा कुत्तों की चिंता हैं। अतएव षीर्श न्यायालय का आदेश है कि आवारा एवं कटरखने कुत्तों को पकड़कर उनकी टीकाकरण के साथ नसबंदी भी की जाए। तदुपरांत उन्हें छोड़ा जाए। यदि कोई कुत्ता हिंसक होने के साथ रेबीज से संक्रमित है तो वह संरक्षण में ही रहे। पशु प्रेमी चाहें तो ऐसे कुत्तों को गोद भी ले सकते हैं। भला करें राम! जिस देश के बाल संरक्षण गृह, नशा मुक्ति केंद्र और आंगनवाड़ियां अर्थाभाव के चलते बच्चों को कुपोशित होने से नहीं बचा पा रही हैं, वहीं अब बच्चों से ज्यादा कुत्तों की चिंता बढ़ रही है। अदालतें भी कुत्तों पर मेहरबान हैं। चूंकि न्यायालयों पर काम का बोझ बहुत है, करोड़ों मामले लंबित हैं। इस परिप्रेक्ष्य में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में निर्देश दिए हैं कि इस आदेश के विरुद्ध अर्जी पेश करने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार और सरकारी संगठनों को दो लाख रुपए पंजीकरण हेतु शीर्ष न्यायालय को देने होंगे। यह राशि कुत्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कराने के काम आएगी। इस कमाल की बाध्यता के चलते जनहित याचिकाएं लगाने वाले लोगों की संख्या घट जाएगी। अंततः कुत्ते के प्रति असली मोह न तो अदालत का है और न ही अर्जीकत्ताओं का ? श्वान की वफादार प्राकृतिक प्रवृत्ति के प्रति असली मोह तो आदमी और कुत्ते के बीच जीव-जगत के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक निर्लिप्त भाव से युधिष्ठिर ने ही जताया है। उनका कुत्ता मोह इतना अटूट है कि स्वर्गारोहण तक बना रहता है। जबकि पत्नी द्रोपदी से लेकर भाई तक उनका साथ छोड़ते चलते हैं पर कुत्ता साथ बना रहता है। तो भला करें पांडवों का राम! पांडव पृथ्वी की परिक्रमा लगाकर योग बल के बूते हिमालय पर उत्तर दिशा में चल रहे हैं। योग के संयम से द्रोपदी का मन भंग हो गया और वे प्राण छोड़ते हुए पृथ्वी पर गिर पड़ीं। तब भीम ने धर्मराज युधिश्ठिर से इस मृत्यु का कारण जाना। वे बोले, द्रोपदी पक्षपात करते हुए अर्जुन से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी, अब उसी का फल भोग रही है। इसके बाद अपनी बौद्धिक विद्वता का भ्रम पाले रखने वाले सहदेव धरा पर लुढ़क गए। भीम ने फिर कारण जाना। धर्मराज बोले, सहदेव अपने जैसा किसी को बुद्धिजीवी नहीं समझता था। बुद्धि-भ्रम उसका आजीवन बड़ा दोश रहा। अतएव चलता बना। स्वर्ग के कथित मार्ग पर आगे बढ़े तो सर्वश्रेश्ठ रूपवान नकुल धराशयी हो गए। भीम ने अनुज की मौत पर प्रश्न किया। तब धर्मराज वाले नकुल का सुंदरता के संदर्भ में सोच अत्यंत संकुचित था, वे रूप में अपने से ज्यादा सुंदर किसी अन्य को नहीं मानते थे। इसलिए यही दोष उनके पतन का कारण बना। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धनुशधारी अर्जुन अपने भाईयों की मृत्यु से षोक-संतप्त अर्जुन भी खेत रहे। तब भीम की जिज्ञासा का ष्माण करते हुए धर्मराज बोले, इसे अपनी षूर-वीरता का यहां तक अहंकार था कि मैं एक दिन में ही सभी शत्रुओं को भस्म कर डालूंगा। किंतु ऐसा कर नहीं पाया, इसलिए अपने कर्म का फल भोग रहा है। अब अग्रज के साथ चलते प्राण त्यागते भीम भी धरती पर गिरते हुए बोले, अब भ्राता मेरी भी इस गति का कारण बताइए ? तुम बहुत भोजन करने के साथ अपने षक्ति बल की डींगे हांकते थे, यही अभिमान तुम्हारे अंत का कारण है। यह कहते हुए युधिश्ठिर भीम की दशा देखे बिना ही आगे बढ़ गए। उनका प्रिय कुत्ता उनका अनुसरण करता रहा। अब इस पक्षपाती व अहंकार से भरी दुनिया में कौन ऐसा श्वान-प्रेमी होगा, जिसके साथ स्वामी भक्त कुत्ता स्वर्गारोहण कर जाए ? क्योंकि अब कुत्तों के तथाकथित संरक्षकों और कुत्ता पीड़ितो में अपने-अपने अस्तित्व बचाए रखने की प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है और दोनों का जीवनदान की इबारत लिखने में लगी है।

क्यों पिछड़ रही हैं पशु चिकित्सा सेवाएँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में पशुपालन केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ ही नहीं है बल्कि यह करोड़ों परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार भी है। दूध, मांस, अंडे, ऊन और अन्य पशु उत्पादों की आपूर्ति के साथ-साथ यह क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार सृजन का एक सशक्त साधन है। लेकिन विडंबना यह है कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को संवारने वाले पशु चिकित्सकों की भारी कमी से आज देश जूझ रहा है। हाल ही में संसद में पूछे गए प्रश्न और सरकार द्वारा दिए गए उत्तर से यह तथ्य सामने आया कि देशभर में पशु चिकित्सकों के कुल 38,916 स्वीकृत पदों में से 10,839 पद रिक्त पड़े हुए हैं। यह लगभग 28 प्रतिशत रिक्तता है, जो सीधे-सीधे पशु स्वास्थ्य सेवाओं पर नकारात्मक असर डालती है। पशु चिकित्सक केवल पशुओं का इलाज ही नहीं करते, बल्कि वे पशुधन से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, प्रजनन संबंधी परामर्श और वैज्ञानिक तकनीकों के प्रसार में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उनके अभाव में न केवल पशुपालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है बल्कि देश की दुग्ध और मांस उत्पादन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। केंद्र सरकार द्वारा दिए गए आँकड़े बताते हैं कि विभिन्न राज्यों में पशु चिकित्सकों की कमी कितनी गंभीर है। महाराष्ट्र में 4685 स्वीकृत पदों में से 3072 पद खाली हैं। कर्नाटक में 3317 स्वीकृत पदों में से 1156 रिक्त हैं। बिहार में 2067 पदों में से 860 खाली पड़े हैं। राजस्थान में 3691 में से 1367 पद रिक्त हैं। उत्तर प्रदेश में 1984 में से 506 पद खाली हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ राज्यों जैसे मेघालय और लक्षद्वीप में कोई भी रिक्ति नहीं है। लेकिन देश के बड़े और कृषि प्रधान राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। कुल मिलाकर 38,916 स्वीकृत पदों के मुकाबले 10,839 रिक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि लगभग हर तीसरा पद खाली है। यह आँकड़ा किसी भी देश के पशु स्वास्थ्य ढाँचे के लिए खतरे की घंटी है। इतनी बड़ी संख्या में पदों के रिक्त रहने से ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाएँ बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। खासकर छोटे और सीमांत किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है, जिनकी आजीविका पूरी तरह से पशुपालन पर निर्भर है। आपात स्थिति में बीमार या घायल पशु के लिए समय पर डॉक्टर न मिल पाना पशुपालकों के लिए गंभीर संकट बन जाता है। मुंहपका-खुरपका, ब्रूसेलोसिस, बर्ड फ्लू जैसी संक्रामक बीमारियों से निपटना मुश्किल हो जाता है। पर्याप्त पशु चिकित्सक न होने से बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रमों की गति धीमी हो जाती है। पशुओं की समय पर देखभाल न होने से दूध और मांस उत्पादन घटता है, जिससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ता है। और ज़ूनोटिक बीमारियाँ जैसे रैबीज़ या एवियन फ्लू का खतरा भी बढ़ता है। सरकार ने यह स्वीकार किया है कि पशु चिकित्सकों की नियुक्ति राज्यों का विषय है। केंद्र सरकार केवल दिशानिर्देश और वित्तीय सहयोग प्रदान करती है। इसी क्रम में लाइवस्टॉक हेल्थ एंड डिज़ीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स चलाए जाते हैं, जो गाँव-गाँव जाकर पशुपालकों को स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। अभी तक 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 8191 मोबाइल इकाइयाँ कार्यरत हैं। किसानों के लिए 1962 नंबर की टोल-फ्री हेल्पलाइन भी शुरू की गई है। ये प्रयास निश्चित रूप से उपयोगी हैं, लेकिन इनसे स्थायी समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि मोबाइल इकाइयाँ नियमित पशु चिकित्सक का विकल्प नहीं बन सकतीं। इस समस्या की जड़ गहराई से समझने पर पता चलता है कि सबसे बड़ा कारण भर्ती प्रक्रिया में देरी है। अधिकांश राज्यों में चयन आयोगों और भर्ती एजेंसियों की धीमी गति के कारण वर्षों तक पद खाली रह जाते हैं। इसके अलावा पशुपालन की बढ़ती जरूरतों के बावजूद नए पदों का सृजन नहीं हो रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा के प्रति पशु चिकित्सकों की अनिच्छा और शैक्षणिक संस्थानों की सीमित संख्या भी समस्या को और जटिल बनाती है। कई बार वेतन और सुविधाओं का स्तर भी इस पेशे को युवाओं के लिए आकर्षक नहीं बनाता। यदि भारत को पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाना है और किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य पाना है, तो पशु चिकित्सकों की कमी को दूर करना अनिवार्य है। राज्यों को तत्काल रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाना होगा और केंद्र सरकार को इसमें सहयोग करना होगा। नए पदों का सृजन आवश्यक है ताकि बढ़ती मांग और पशुधन की संख्या के अनुपात में सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। पशु चिकित्सा शिक्षा का भी विस्तार जरूरी है। नए कॉलेज खोले जाएँ, मौजूदा कॉलेजों की सीटें बढ़ाई जाएँ और आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण सेवा के लिए पशु चिकित्सकों को प्रोत्साहन देना होगा। उन्हें अतिरिक्त भत्ता, आवास, परिवहन सुविधा और पदोन्नति में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल भी इस क्षेत्र को मजबूत बना सकता है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल ऐप्स और वर्चुअल परामर्श के माध्यम से किसानों तक त्वरित सेवा पहुँचाई जा सकती है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर संयुक्त कोष बनाएं ताकि वित्तीय संसाधनों की कमी दूर हो सके और भर्ती प्रक्रिया बिना रुकावट आगे बढ़े।भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 20 करोड़ से अधिक गौवंश और करोड़ों अन्य पशु हैं, वहाँ पशु चिकित्सकों की कमी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह केवल किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि खाद्य सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और निर्यात क्षमता से भी जुड़ा हुआ सवाल है। आज जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब पशुपालन क्षेत्र को मजबूत किए बिना यह लक्ष्य अधूरा है।

"यह सम्मान मैं हमेशा संजोकर रखूँगा!"

मुंबई. भारतीय फ़िल्म महोत्सव मेलबर्न (IFFM) 2025 में अभिनेता जयदीप अहलावत को वेब सीरीज़ 'पाताल लोक सीज़न 2' में इंस्पेक्टर हथीराम चौधरी की दमदार भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता - वेब सीरीज़ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेलबर्न में आयोजित इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड नाइट में हुए ऐलान ने भारतीय सिनेमा के सबसे सशक्त और बेहतरीन अभिनेताओं में जयदीप की जगह को और मज़बूत कर दिया। दूसरे सीज़न में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने 'अभिनय की पाठशाला' करार दिया। पहले सीज़न से आगे बढ़ते हुए, जयदीप ने हथीराम के सफर को और गहराई से परत-दर-परत पेश किया—एक ऐसे इंसान के रूप में, जो न्याय की अपनी निरन्तर खोज में भीतर से टूटा हुआ भी है और मजबूत भी। उनके अभिनय ने मानवीय संवेदनशीलता और चुपचाप बहने वाली ताक़त को एक साथ परदे पर ज़िंदा किया और उन्हें शो का असली धड़कन बना दिया।

सू-दोकू-151

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.150 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

एक नजर

रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत महतारी मेगा हेल्थ कैंप व बाल मेला आयोजित

दंतेवाड़ा, 26 अगस्त । रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर 25 अगस्त 2025 को एकीकृत बाल विकास परियोजना गीदम के स्वराज भवन में परियोजना स्तरीय बाल मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ईसीसीई (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा) गतिविधियों में गीदम परियोजना के छह सेक्टरों से चयनित 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के कुल 74 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने कविता, गीत, नृत्य, पेंटिंग एवं मिट्टी के खिलौने जैसी विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में जनपद पंचायत गीदम की अध्यक्ष श्रीमती शकुन्तला भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को प्रमाण पत्र एवं चॉकलेट वितरित किए और उनके उत्साहवर्धन की सराहना की। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शकुन्तला भास्कर ने कहा कि माताओं के लिए एक छोटे बच्चे की परवरिश चुनौतीपूर्ण होती है, वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक साथ 15-20 बच्चों का पालन-पोषण करते हुए उन्हें अच्छे संस्कार, गीत, नृत्य और सामाजिक व्यवहार सीखते हैं, जो प्रशंसनीय है। कार्यक्रम की रूपरेखा परियोजना अधिकारी गीदम द्वारा प्रस्तुत की गई, जबकि समापन पर्यवेक्षक रक्षा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे उपस्थित रहे।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग और आयोजन के लिए अनुमति अनिवार्य

दंतेवाड़ा, 26 अगस्त । कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार आज कलेक्टोरेट के सभागार में आयोजित शान्ति समिति की बैठक के दौरान गणमान्य नागरिकों से आग्रह करते अपर कलेक्टर राजेश पात्रे ने कहा कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था मद्देनजर गणेश चतुर्थी, अनंत चतुर्दशी, ईद-ए-मिलाद इत्यादि विभिन्न त्योहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिये अनुमति लेना अनिवार्य है। मूर्तियों के स्थापना के लिये पंडालों की व्यवस्था सहित विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का ध्यान रखा जाए और आम नागरिक इस हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें।बैठक में एजेंडे अनुसार आगामी गणेश चतुर्थी पर्व एवं 06 सितम्बर, 2025 को ईद-ए-मिलाद का पर्व के संदर्भ में बताया कि इस धार्मिक पर्व को आपसी समन्वय एवं शांतिपूर्ण तथा सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया जाये। साथ ही माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जारी दिषा-निर्देषों का पालन सुनिश्चित किया जाये। इसके अनुसार नदी और तालाब में विसर्जन के लिए अस्थायी पॉड का निर्माण किया जाकर मूर्ति एवं पूजा सामग्री जैसे फूल, वस्त्र, कागज एवं प्लास्टिक से बनी सजावट की वस्तुएं इत्यादि मूर्ति विसर्जन के पूर्व अलग कर ली जाये तथा इसका निराकरण उचित तरीके से किया जाए, जिससे नदी या तालाब में प्रदूषण की स्थिति नियंत्रित हो सके ।इसके अलावा विसर्जन उपरान्त वेस्ट मटेरियल, पूजा सामाग्री, फूल कपड़े, प्लास्टिक पेपर, आदि की सुरक्षित एकत्र कर पुर्नउपयोग एवं कम्पोस्टिंग आदि में किया जा सकता है। वेस्ट मटेरियल विसर्जन स्थल पर जलाना प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही स्थानीय निकायों द्वारा छोटे आकार के मूर्ति एवं मूर्ति का निर्माण हेतु संस्कृति अनुसार मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाने, मूर्ति निर्माण में सिंथेटिक केमिकल, पेंट्स तथा डाई का उपयोग न करने के संबंध में जागरूकता लाये जाएगा।

अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 26 अगस्त। सुहागिन महिलाओं का महत्वपूर्ण त्यौहार हरितालिका तीज आज देश भर में मनाया जा रहा है। इस पर्व को हरितालिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है। अन्य प्रदेशों की तरह छत्तीसगढ़ में भी तीज पर्व धुमधाम से मनाया जाता है। तीजा भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होता है। महिलाओं के लिये हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। तीजा व्रत नारी के सौभाग्य की रक्षा करता है। सुहागिनें इस दिन निर्जला व्रत रखकर अपने पति के दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। सिर्फ सुहागिनें ही नहीं कुंवारी लड़कियां भी तीज पर मनचाहा वर प्राप्ति के लिये व्रत रखती हैं। आज के दिन महिलाएं भगवान शंकर व गौरी माता की विशेष आराधना करती है। बिना अन्न जल ग्रहण किये परिवार की खुशहाली को लेकर किया जाने वाला यह व्रत किसी तप से कम नहीं होता। नव विवाहितायें तीजा के व्रत को लेकर ससुराल से माइके भी जाती है, वहीं कई नई दुल्हनें अपने पति व नये परिवार के बीच ही पूजन पाठ विधिवत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुहाग की पिटारी में सुहाग की सारी वस्तुऐं रखकर पार्वती माता को चढ़ाने का विधान इस व्रत का प्रमुख उद्देश्य है। सुहागिन महिलाएं नदी तट पर बालू से शिव पार्वती के प्रतीकों की स्थापना करती है। चौबिस घण्टे का निर्जला उपवास रखकर एक जगह पर सामूहिक रूप से एकसत्र होकर शिव पार्वती की पूजा अर्चना करती हैं। पूजन स्थल पर दोने में अंकुरित गेहूं अथवा धान के पौधे जिन्हें भोजली कहा जाता है रखे जाते हैं। पूरी रात जागरण कर शिव पार्वती की पूजा की जाती है। चतुर्थी की सुबह पुनः पूजा अर्चना के पश्चात बाली गौरी का विसर्जन नदी में कर दिया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को भगवान शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं।

सुहागिनें सुबह से जुटी रही खरीददारी में - पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए पहचाना जाने वाला महिलाओं का प्रमुख पर्व हरितालिका के पूर्व बाजारों में श्रृंगार की सामग्री खरीदने महिलाओं की खासी भीड़ जुटी रही। अंचल में आज सुबह से हो रही झमाझम बारिश के बावजूद श्रृंगार वस्तुओं के साथ ही साड़ियों व ज्वेलरी की खरीददारी में सुहागिनें व्यस्त दिखी। तीज पर्व पर श्रृंगार सामग्री का खास महत्व है। नगर के अधिकांश फैंसी स्टोर्स में श्रृंगार सामग्रियों की अच्छी खासी बिक्री हुई। पर्व के दो दिन पूर्व ही बाजारों में रौनक काफी बढ़ चुकी थी। चुड़ी, कंगन, सिंदूर, मेहंदी, नेलपालिश, की बिक्री के साथ ही साडियों व ज्वेलरी दुकानों में भी अच्छी खासी भीड़ देखी गई। मायके में उपवास की परंपरा- तीज पर्व पर विवाहित महिलायें मायके आकर उपवास रखती हैं यह परंपरा शुरू से चली आ रही है। तीज पर्व पर पिता या भाई ससुराल से अपनी बहन बेटियों को लेकर आते हैं। पहली वर्ष की शादी के बाद तीजा पहली होती है यह और खास हो जाती है इसके लिए मायके से नई साड़ी भी उपहार स्वरूप दी जाती है। अगर दुल्हन अपने मायके से काफी दूर है तो ऐसी स्थिति में मायके से उसके लिए सुहाग की सारी सामग्री लेकर दुल्हन के ससुराल जाते हैं और उसे उपहार स्वरूप भेंट करते हैं।

तीज पर परंपरानुसार माईजी को चढ़ाई गई नई साड़ी

दंतेवाड़ा 26 अगस्त। हरितालिका तीज के पावन अवसर पर आज मांई दंतेश्वरी मंदिर में मां भगवती देवी की विशेष पूजा अर्चना हुई जिसके बाद परंपरानुसार मांईजी को श्रृंगार सामग्री व नई साड़ी चढ़ाई गई। प्रधानपुजारी हरेंद्रनाथ जिया ने बताया कि बस्तर की आराध्य देवी होने से माईजी के प्रति अगाध आस्था और श्रद्धा लोगों में है। प्रत्येक तीज त्यौहार के मौके पर मंदिर में विशेष पूजा एवं रस्म निभाई जाती है। प्रतिवर्ष तीज पर टेम्पल एस्टेट कमेटी की ओर से माईजी को नई साड़ी एवं श्रृंगार सामग्री भेंट की जाती है। आज तीज पर्व के अवसर पर सुबह 6 बजे मांईजी को मंदिर कमेटी द्वारा भेंट की गई नई साड़ी अर्पित कर उन्हें साजो श्रृंगार किया गया। दर्शन के लिए आने वाले अधिकांश श्रद्धालु श्रद्धा से माईजी को आज के दिन साड़ी व श्रृंगार सामाग्री आदि भेंट करते हैं और अपनी आराध्य देवी मां से अपने परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि की कामना करते हैं।

तीजा परिवार की खुशहाली की कामना का पर्व:शिवरतन

सिमगा,26 अगस्त। सिमगा ग्राम दुलदुला में तीजा पोला महोत्सव का आयोजन दुलदुला छत्तीसगढ़ी रंगोली समिति द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि शिवरतन शर्मा जी संबोधित करते हुए कहा यह पर्व दाई दीदी बेटी माय का प्रमुख पर्व है जिसमें महिलाएं तीन दिन भगवान भोलेनाथ का निर्जला उपवास रखकर पति पुत्र और परिवार की खुशहाली की कामना करती है तथा हमारी संस्कृति परंपरा से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है आयोजित कार्यक्रम जिसमें अध्यक्षता आनंद यादव जी विशिष्ट अतिथि अनिल पांडे जी जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आनंद बंजारे जी मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी जी छोटू यदू जी सरपंच प्रतिनिधि जीवन साहू जी पार्षद कुंज बाई राजू कोसले जी पुरोहित खेमराज शर्मा कार्य समिति जिला अध्यक्ष मनहरण साहू गोलू विश्वकर्मा भागीरथी साहू संतोष निषाद धनीराम साहू संतराम साहू कोटवार अशोक दास मानिकपुरी आकाश दास मानिकपुरी अशोक यादव हेमू प्रसाद साहू छन्नू साहू ईश्वर साहू नारायण साहू सनत

साहू लोकनाथ साहू हेमलाल साहू लेखराम साहू भगवती साहू शिशुपाल साहू व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे

राजेश कड़ती शहीद कौशल यादव अवार्ड से नवाजे जाएंगे

बीजापुर 26 अगस्त । प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में मनाएं जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित होने वाले खेल अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के द्वारा बीजापुर जिले के सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राकेश कड़ती को शहीद कौशल यादव अवार्ड से नवाजे जाएंगे वहीं जूनियर सॉफ्टबॉल गर्ल्स टीम को मुख्यमंत्री ट्रॉफी से अलंकृत किया जाएगा। गर्ल्स टीम में बीजापुर जिले से अकादमी की सॉफ्टबॉल खिलाड़ी रेणुका तेलम चंद्रकला तेलम विमला तेलम और मीनू आरकी शामिल है। सबसे खास बात यह है कि अब तक पूरे बस्तर संभाग से खेल के क्षेत्र में कभी भी राज्य स्तरीय अवॉर्ड से किसी भी खिलाड़ी को अलंकृत नहीं किया गया है ।

समाचार संक्षेप

नगर में धूमधाम से मनाया पोरा तिहार

सिमगा,26 अगस्त। सिमगा नगर में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पोरा तिहार को बड़े ही धूमधाम एवं हर्शोल्लास के साथ मनाया गया, इस दिन लगातार 7 दिवस तक चलने वाले रामधुनि रामनाम सप्ताह का समापन भी होता है, किसानों द्वारा अपने पशुधनो को नहला धुला कर विधिवत पूजा पाठ कर घरो में निर्मित मिष्ठान ठेठरी खुरमी आदि का भोग लगाया जाता है,यह त्योहार बच्चों को बड़ा आनंदित करता है उन्हें मिट्टी के बने बैलगाड़ी एवं विभिन्न प्रकार के खिलौने से खेलने का अवसर मिलता है। दिवसों तक चलने वाले राम सप्ताह में समाज के सभी वर्गों ने सहभागिता सुनिश्चित किया चौबिसों घंटे चलने वाले रामधुनि रामनाम सप्ताह में प्रभु श्री राम नाम का नारा गूंज उठा एवं 116 वर्ष प्राचीन श्री राधे श्याम मंदिर एवं आसपास का वातावरण भक्तिमय एवं मंगलकारी हो गया तत्पश्चात श्रधालुओं द्वारा श्री कृष्ण की टोली निकालकर नगर के प्रमुख चौक चौराहों पर दही लूट का कार्यक्रम किया गया उक्त सभी कार्यक्रमों में सिमगा के प्रथम नागरिक श्री हरदीप सिंह भाटिया जी ने अपनी सहभागिता निभाई जिससे नागरिकों एवं श्रद्धालुओं का उत्साह दुगुना हो गया, श्री राधे कृष्ण मंदिर के प्रमुख पुजारी पं बलराम चतुर्वेदी ने बताया यह आयोजन सालो से इसी तरह से मनाया जाता है इसी क्रम में शीतला माता मंदिर में स्थापित नगर के ठाकुर देव को शयन-कक्ष से निकालकर भक्तों के दर्शनार्थ रखा गया एवं पूरे विधि-विधान पूर्वक उनका पूजन कर यथास्थान में विराजित किया गया।

जिले में 54 नए आंगनबाड़ी केंद्रों को मिली स्वीकृति

दंतेवाड़ा, 26 अगस्त । जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य और पोषण सुधार की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जिले में 54 नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति प्रदान की है। इन केंद्रों का उद्देश्य 0 से 3 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पौष्टिक भोजन और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना है, साथ ही गर्भवती व धात्री महिलाओं को भी संतुलित आहार और स्वास्थ्य परामर्श मिल सकेगा।नए आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित माहौल में पोषणयुक्त आहार, स्वास्थ्य निगरानी और प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाएगी, जिससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास की मजबूत नींव रखी जा सके। प्रशासन का मानना है कि शुरुआती उम्र में दिया गया सही पोषण और शिक्षा बच्चों के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभाता है। गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए भी यह पहल बेहद उपयोगी साबित होगी। उन्हें संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां और नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे गर्भस्थ शिशु का विकास बेहतर तरीके से हो सकेगा और महिलाओं को भी समय-समय पर स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी मिलती रहेगी।जिला प्रशासन द्वारा इस कदम से जिले में कुपोषण की समस्या को कम करने, शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी अधिक जागरूक बनाने में मदद मिलेगी।

बारसूर में महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

दंतेवाड़ा, 26 अगस्त । महिला एवं बाल विकास विभाग दंतेवाड़ा द्वारा रजत जयंती वर्ष के अवसर पर बारसूर सांस्कृतिक भवन में स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभागीय निर्देशों तथा कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।मुख्य अतिथि के रूप में मानवाधिकार आयोग के सदस्य श्री जशवीर नेगी, पार्षद गण, महिला एवं बाल विकास परियोजना बारसूर से पर्यवेक्षक सुश्री ऋषिका नेताम, श्री जगत चतुर्वेदानी तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ. लक्ष्मी सिंह और उनकी टीम उपस्थित रहीं। शिविर में महतारी वंदन योजना के तहत कुल 250 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर श्री जशवीर नेगी ने सभी को संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

भाजयुमो अध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह में सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

तिल्दा नेवरा, 26 अगस्त। तिल्दा नेवरा भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के पदभार ग्रहण समारोह मे दीपक वर्मा मिनेश नायक व पंकज यदु नेतृत्व मे सैकड़ो की संख्या मे बाइक रैली मे शामिल होने कार्यकर्ता पहुंचे धरसींवा मे टीनूकांत वर्मा के नेतृत्व मे भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात तय कार्यक्रम अनुसार बंजारी माता मंदिर भनपुरी चौक,खमतराई चौक,फाफाडीह चौक जयस्तम्भ चौक अम्बेडकर चौक घड़ी चौक पहुंचें जहाँ युवा मोर्चा रायपुर जिला अध्यक्ष फनेंद्र वर्मा ने स्वागत किया काफिले के रूप मे हजारों बाइक के साथ तेलीबांधा होते हुए प्रदेश कार्यालय पहुंचें जगह जगह भव्य स्वागत किया गया राहुल योगराज टिकरिहा के प्रदेश अध्यक्ष बनने से युवाओं मे जोश और ऊर्जा देखने को मिला नये मंत्री मण्डल और संगठन की नई नियुक्ति के साथ ही भारतीय जनता पार्टी अभी से चुनावी मूड मे नज़र आ रहे है और लगातार शक्ति प्रदर्शन और हर क्षेत्र मे सक्रियता नज़र आ रहा है नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर राष्ट्रीय व प्रदेश के शीर्ष नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहाँ की पार्टी ने जो जिम्मेदारी दिया उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा प्रदेश के प्रत्येक जिले व प्रत्येक मण्डल मे पहुंच कर पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी व प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी के नेतृत्व मे काम करते हुए प्रदेश की तरक्की और विकाश मे सहयोगी बनेगें किसी भी राजनितिक पार्टी की मजबूती के लिए युवा और उनकी टीम पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है भारतीय जनता पार्टी, पार्टी न होकर एक परिवार है और इस परिवार के लिए काम करना अपने आप मे सौभाग्य की बात है छोटे से छोटा कार्यकर्त्ता इस पार्टी को अपना मानता है यही हमारी ताकत है अंत मे कार्यक्रम मे शामिल हुए सभी युवाओं का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बीएसएफ के प्रशिक्षण से अबूझमाड़ क्षेत्र के 87 युवाओं का चयन नगर सेना में

नारायणपुर,26 अगस्त। प्रभावित नारायणपुर जिले के दूर-दराज व दुर्गम इलाकों में बदलाव की एक नई कहानी लिखी जा रही है। जहां कभी युवाओं के हाथों में किताबों की जगह बंदूकें थम जाने का डर रहता था, वहीं अब उन हाथों में नौकरी का नियुक्ति पत्र और आंखों में सपनों की चमक दिखाई दे रही है। इस बदलाव की पटकथा लिखी है बीएसएफ की 135वीं बटालियन ने, जो न केवल इस क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रही है, बल्कि अब सामाजिक उत्थान का भी एक मजबूत आधार बन चुकी है।

बीएसएफ द्वारा पिछले एक वर्ष से नारायणपुर और अबूझमाड़ क्षेत्र के युवक-युवतियों को सुरक्षाबलों की भर्ती के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल शारीरिक दक्षता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उम्मीदवारों को लिखित परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया गया। परिणामस्वरूप, बीएसएफ के तेलसी कैंप में प्रशिक्षित 80 युवाओं में से 7 युवतियों का चयन नगर सेना में हुआ है, वहीं 35 युवक-युवतियों ने जिला पुलिस बल की भर्ती में शारीरिक परीक्षा सफलता पूर्वक पास कर ली है। यह क्षेत्र में एक नई उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।बीएसएफ कमांडेंट नवल सिंह ने इन सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित करते हुए कहा,

आप सभी ने कठिन परिस्थितियों और संसाधनों की कमी के बावजूद जो मुकाम हासिल किया है, वह सच में सराहनीय है। आपकी सफलता आने वाले समय में अन्य युवाओं को प्रेरित करेगी और उन्हें भी अपने भविष्य को संवारने का अवसर देगी। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं ने बीएसएफ के प्रति गहरा आभार जताया। उनका कहना है कि उन्हें यहां सिर्फ फिजिकल ट्रेनिंग नहीं दी गई, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और परीक्षा की तैयारी भी करवाई गई। पहले जहां वे खुद को कमज़ोर और अयोग्य समझते थे, वहीं अब वे आत्मविश्वास से भरकर नौकरी की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।प्रशिक्षण देने वाले बीएसएफ जवानों का कहना है कि अबूझमाड़ के युवाओं में जबरदस्त क्षमता है।इन युवाओं में ऊर्जा, साहस और लगन भरपूर है। उन्हें सिर्फ एक दिशा दिखाने और सही मार्गदर्शन की जरूरत थी,÷ - एक जवान ने कहा।यह पूरी पहल केवल रोजगार के अवसर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव और स्थायी शांति की नींव भी रख रही है।

आदिवासी विकास विभाग में फर्जी टेंडर घोटाला

दो पूर्व सहायक आयुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

दंतेवाड़ा 26अगस्त। आदिवासी विकास विभाग में करोड़ों रूपए के फर्जी टेंडर निकालकर सरकारी राशि में सेंधमारी कर चहेते ठेकेदारो को फायदा पहुंचाने के मामले में दो पूर्व सहायक आयुक्तों को गिरफतार कर जेल भेज दिया गया है। बीते 24 अगस्त दिन रविवार को कलेक्टर के आदेश पर वर्तमान सहायक आयुक्त राजीव नाग ने सिटी कोतवाली पहूंच लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाया था। सिटी कोतवाली में दो सहायक आयुक्त एवं एक बाबू के खिलाफ अपराध सदर की धारा 318(4) 338, 336(3) 340(2) 61(2) एवं छत्तीसगढ़ विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम 1982 की धारा-9 के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया था। रिपोर्ट दर्ज होने के तत्काल बाद ही पुलिस ने एक को जगदलपुर से तो दूसरे सहायक आयुक्त को रायपुर से गिरफतार कर दंतेवाड़ा ले आई थी जिन्हें सोमवार को जिला कोर्ट में पेश किया गया जहां से दोनों पूर्व सहायक आयुक्तों को 15 दिन के रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है जबकि इसी मामले में तीसरा आरोपी सहायक आयुक्त कार्यालय का लिपिक संजय मौके से फरार हो गया है जिसे पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

दंतेवाड़ा के आदिम जाति कल्याण विभाग मे डीएमएफ मद से करोड़ों के फर्जीवाड़ा मामले में दो पूर्व सहायक आयुक्तों को गिरफतार कर जेल भेजे जाने से विभाग में हडकंप मच गया है। पूरा मामला इस प्रकार है कि एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कुछ माह पूर्व दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत को लिखित शिकायत देकर ट्राईबल विभाग में बीते 5 वर्ष (2021 से 2025 तक) (जिला खनिज न्यास निधि) में हुए सभी टेंडरों की जांच की मांग की थी। कलेक्टर श्री दुदावत ने अपर कलेक्टर राजेश पात्रे की अध्यक्षता में 5 सदस्सीय टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट मांगी थी। । समिति ने जांच कर 6 अगस्त को कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपा था। जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि बीते 5 वर्ष में 45 फर्जी टेंडर निकालकर चहेते ठेकेदारों को काम बांटा गया था एवं सरकारी राशियों का जमकर दुरूपयोग किया गया था। जांच में यह भी निकलकर सामने आया है कि पूर्व के सहायक आयुक्त आनंदजी सिंह एवं केएस मशराम की सहमति से ये सारे फर्जी टेंडर विभाग के लिपिक संजय कोडोपी द्वारा कूट रचित दस्तावेज तैयार कर निविदा निकाली गई थी। दैनिक समाचार पत्रों में निविदा संबंधी टेंडर प्रकाशित नहीं कराया गया और फर्जी दस्तावेजों को असल बताकर प्रस्तुत किया गया था। गोपनीय टेंडर निकाले जाने से अन्य ठेकेदार निविदा टेंडर में भाग लेने से वंचित हुए थे। बता दें कि पूर्व सहायक आयुक्त आनंद सिंह जी लंबे समय तक दंतेवाड़ा के आदिवासी विकास विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर आसीन थे। वहीं एसी केएस मशराम इसी साल 30 अप्रैल को सेवामुक्त हुए थे। इन दोनों अफसरों के कार्यकाल के दौरान ही 45 फर्जी टेंडर के जरिए चहेते ठेकेदारों को काम दिए जाने का मामला जांच में आया था जिसके बाद ये सारी कानुनी कारवाई की गई है। पुलिस की मानें तो अभी इस पूरे फर्जीवाड़े में प्रथम दृष्टया तीन लोगों को मुख्य आरोपी बनाया गया है जांच पड़ताल में इस फर्जीवाड़े में अगर किसी और की भी संलिप्तता पाई जाती है उनके खिलाफ भी कानुनी कारवाई की जाएगी। सरकारी अमानत में खयानत करने वाला कोई भी व्यक्ति हो बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 29 एवं 30 अगस्त को

कांकेर 26 अगस्त । नवीन प्रयास आवासीय विद्यालय जिला राजनांदगांव एवं बलरामपुर में शिक्षण सत्र-2025-26 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों की वर्गवार मेरिट एवं प्रतीक्षा सूची आदिवासी विकास विभाग की अपलोड की गई है। सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार तृतीय प्रतीक्षा सूची में दर्शित विद्यार्थी प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू उरकुरा मार्ग व्ही.आई.पी. सीटी कॉलोनी के सामने रायपुर में काउसिंलिंग किया जाएगा, इसके लिए काउसिंलिंग तिथि 29 एवं 30 अगस्त को प्रातः 10 बजे से सायं 05 तक उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीव्हीटीजी) और अनुसूचित जाति वर्ग की बालक एवं बालिकाएं का काउंसिंलिंग 29 अगस्त को तथा अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालक-बालिकाओं की काउंसिलिग 30 अगस्त को किया जाएगा।

जिला स्तर पर खेल दिवस का आयोजन 29 अगस्त को

कांकेर 26 अगस्त । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तर पर खेल दिवस का आयोजन 29 अगस्त को दोपहर 01 बजे से शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल परिसर में किया जाएगा। उक्त आयोजन में जिले के खेल संघ के पदाधिकारीगण, खिलाड़ियों तथा जिला मुख्यालय के सभी स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। खेल दिवस के अवसर पर हॉकी, फुटबॉल एवं बैडमिंटन इत्यादि खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

सोलर तकनीशियन कोर्स में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए काउंसलिंग 27 को

कांकेर 26 अगस्त । कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर और रोजगार से जोड़ने के लिए लाइवलीहुड कॉलेज कांकेर में 30 सीटों में सोलर पैनल इंस्टालेशन तकनीशियन (सूर्यमित्र) में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के द्वारा 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत् 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली प्रदाय करने की योजना है, जिससे सोलर पैनल तकनीशियन कोर्स में रोजगार एवं स्व-रोजगार की संभावना बढ़ गई है।

आश्रम-छात्रावासों के लिए चयनित नगर सेना महिला अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग 1 सितंबर से

कांकेर 26 अगस्त । जिले में महिला आश्रम-छात्रावासों में नगर सेना में चयनित महिला अभ्यर्थियों को जिला सेनानी कार्यालय में 01 से 10 सितम्बर तक ज्वाइनिंग लिया जाएगा। इस संबंध में जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि ज्वाइनिंग के समय अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र की मूल प्रति एवं एक सेट छायाप्रति लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। साथ ही चिकित्सकीय प्रशिक्षण एवं पुलिस चरित्र सत्यापन के समय अयोग्य पाए जाने पर सेवा से पृथक कर दिया जाएगा। अभ्यर्थी को अपने साथ शपथ पत्र भी लाना अनिवार्य होगा।

जिले में अब तक 105.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

कांकेर 26 अगस्त । जिले में 01 जून से अब तक कुल 105.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक सर्वाधिक वर्षा दुर्गूकांदल तहसील में 1292.6 मिलीमीटर तथा सबसे कम कांकेर तहसील में 642.3 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार भानुप्रतापपुर तहसील में 1231.4 मिलीमीटर, चारामा में 840.7 मिमी., अंतागढ़ में 1072.8, पखांजूर में 830, नरहरपुर में 688.2, सरोना में 649.4, आमाबेड़ा में 1143., कोयलीबेड़ा में 1188.4 और बांदे में 985.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में भानुप्रतापपुर तहसील में सबसे अधिक 43.5 मिलीमीटर और कांकेर तहसील में सबसे कम 7.5 मिलीमीटर वर्षा आंकी गई है।

घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा पार

रायपुर, 26 अगस्त। भरत नगर गुढ़ियारी में घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी खेमलाल साहू 24 वर्ष भरत नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी ई-रिक्शा क्रमांक सीजी 04 क्यूबी 3361 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए ई-रिक्शा की कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान के गल्ले से नकदी की चोरी

रायपुर, 26 अगस्त । सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान के काउण्टर से अज्ञात चोर ने 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेश गुरूनानी 55 वर्ष कवितानगर खम्हारडीह का रहने वाला है। प्रार्थी का सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान है।

बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उसके दुकान के काउंटर से 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वनमंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव को दिया बस्तर आने का न्यौता

जगदलपुर। प्रदेश के वनमंत्री केदार कश्यप एक दिवसीय दिल्ली प्रवास पर हैं जहाँ उन्होंने ने छत्तीसगढ़ के विकास और उन्नति को लेकर केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। वनमंत्री कार्यालय छत्तीसगढ़ शासन से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में वन क्षेत्रों में हो रहे कार्य, एक पेड़ माँ के नाम 2.0 सहित हाथी मानव द्वन्द को लेकर जानकारी प्रदान करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने आवश्यक मांगों पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का ध्यान आकृष्ट किया है।नक्सलमुक्त बस्तर में

आदिवासियों के सर्वांगीण विकास, वन आधारित रोजगार व इको टुरीज्म को लेकर चर्चा

केंद्रीय वनमंत्री से भेंट को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि बस्तर जिला नक्सल मुक्त हो चूका है। जहाँ के आदिवासियों, युवक युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बस्तर सार्वधिक वन अच्छादित क्षेत्र है। जहाँ वन आधारित उद्योग स्थापित कर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। साथ ही इंद्रावती, कांगेर घाटी, तीरथगढ़, चित्रकोट जैसे अन्य स्थानों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल पर स्थापित करने के उद्देश्य भारत सरकार के मार्गदर्शन और सहयोग से इको टुरीज्म को बढ़ावा देने विस्तृत चर्चा की।

मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव को बस्तर की वर्तमान स्थिति और वहां की जरूरतों के बारे में जानकारी देते हुए बस्तर प्रवास के लिये आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति विश्व प्रसिद्ध संस्कृति है। प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण बस्तर का विकास विष्णुदेव साय सरकार का संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने ले लिये भाजपा की डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। मंत्री कश्यप ने कहा कि केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में आदिवासियों और युवाओं के विकास को लेकर गंभीर हैं। छत्तीसगढ़ को डबल इंजन सरकार का लाभ निश्चित मिलेगा।

समाचार संक्षेप

पुलिस ने गुंडा, बदमाशों को हिदायत देकर पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने को कहा

बलौदाबाजार, 26 अगस्त। गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों की परेड लेकर आगामी गणेश चतुर्थी पर्व में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिया गया, सख्त हिदायतपुलिस अधीक्षक श्रीमति भावना गुप्ता के निर्देशन में आगामी दिनों में आने वाले धार्मिक पर्व, त्योहार एवं गणेश चतुर्थी पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों तथा शांति व्यवस्था बाधित करने वाले अपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। साथ ही विजिबल पुलिसिंग के तहत प्रतिदिन पैदल एवं बाईक पेट्रोलिंग कर आमजनों के मध्य पुलिस की उपस्थिति लगातार दर्ज कराई जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 25.08.2025 को थाना सिटी कोतवाली, पलारी चौकी करहीबाजार क्षेत्र अंतर्गत निवासरत गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को थाना सिटी कोतवाली बुलाया गया। इस दौरान थाना सिटी कोतवाली में श्रीमती निधि नाग एसडीओपी बलौदाबाजार, निरीक्षक अजय झा थाना प्रभारी सिटी कोतवाली द्वारा सभी गुंडा बदमाशों एवं निगरानी बदमाशों को आगामी धार्मिक पर्व, त्योहारों एवं गणेश चतुर्थी पर्व के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा शासन के नियमों का पालन करने हेतु हिदायत दिया गया। इसके अतिरिक्त इन सभी गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को स्पष्ट रूप से समझाया गया कि किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर करवाई कार्यवाही की जाएगी। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा अंवैधानिक कार्यों में लिप्त तथा अपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

प्रशासकीय अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन

महासमुंद, 26 अगस्त । कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा जिले में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टरों के मध्य पूर्व में सौंपे गए प्रभार में आंशिक संशोधन करते हुए आगामी आदेश पर्यन्त तक कार्य विभाजन कर प्रभार सौंपा गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हेमंत नंदनवार को निम्न विभागों के प्रभार सौंपे गए है। इनमें माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा एवं निर्देश, स्वास्थ्य विभाग, जिला आयुर्वेद, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, कृषि विभाग, पशु चिकित्सा सेवाएं, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, रेशम विभाग, शिक्षा विभाग, नोडल जिला सहकारी बैंक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं, क्रेडा, मुख्यमंत्री कौशल विकास विभाग, ग्रामोद्योग विभाग, हथकरघा विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, सी.एस.आर., जिले के विभिन्न आयोजन, समारोह के प्रभारी व समन्वयक, निःशक्त कल्याण एवं पुनर्वास विभाग तथा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्य शामिल है।इसी तरह अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा प्रत्येक बुधवार लिंक कोर्ट सरायपाली में उपस्थित रहेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र के प्रकरणों को छोड़कर तहसील बसना, सरायपाली के राजस्व प्रकरण अपील एवं निगरानी, पुनरीक्षण प्रकरणों की सुनवाई एवं निपटारा का दायित्व सौंपा गया है। इसी तरह नजूल पट्टों का नवीनीकरण व नजूल शाखा के ऐसे प्रकरण व नस्तियों में जिसमें कलेक्टर के आदेश अनिवार्य न हो अपर कलेक्टर के रूप में अंतिम निराकरण किया जाएगा। जिला कार्यालय के शाखाओं - उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सामान्य एवं स्थानीय निर्वाचन, नजूल शाखा, वरिष्ठ लिपिक शाखा 02, विधानसभा, राज्यसभा, लोकसभा प्रश्नोत्तर प्रकोष्ठ, भू-विवाद निवारण प्रकोष्ठ, नोडल अधिकारी, चिटफंड, भाड़ा नियंत्रक, शिकायत एवं जन शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, राजस्वत लेखा, राहत शाखा, सत्कार शाखा तथा श्रम विभाग, खेल विभाग एवं जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग के प्रभारी अधिकारी होंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्य शामिल है।

आनलाइन गेम 2025 को चुनौती सरकार हाईकोर्ट की शरण में

रायपुर, 26 अगस्त । बिलासपुर हाईकोर्ट के उपमहाधिवक्ता ने छग शासन द्वारा इलेक्ट्रानिस एवं इनफरमेशन टेक्नॉलाजी विभाग द्वारा प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के पहले शासन का पक्ष सुनने के लिए केवियेट दायर कर दिया है।

उपमहाधिवक्ता रमाकांत मिश्रा द्वारा इस संबंध में दिशा निर्देश दिया गया है कि ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 को शासकीय राजपत्र में 22 अगस्त 2025 को प्रकाशित कर दिया गया है ताकि इसका क्रियान्वयन किया जा सके। छत्तीसगढ़ में इस समय ऑनलाइन सट्टा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। कई रसूखदार एवं प्रभावशाली अधिकारी इसकी चपेट में आ गये है। इसे देखते हुए हाईकोर्ट में छग शासन द्वारा केवियेट दायर किया गया है।

उपमहाधिवक्ता द्वारा इस संबंध में केवियेट एप्लीकेशन 2025 रिटपीटिशन नंबर के द्वारा केवियेट दायर किया गया है। इसमें यदि कोई व्यक्ति कानून में संशोधन तथा अन्य वांछित जानकारी के लिए आवेदन देगा तो शासन का पक्ष सुनना पड़ेगा। राज्य शासन ने इस कानून को बनाने के लिए काफी मेहनत की है। चूंकि आनलाइन गेम में कई कानूनी एवं तकनीकी दिक्कतें आ रही है। जिसके कारण रसूखदारों को पकड़ने में काफी परेशानी हो रही है। इसलिए सरकार द्वारा केवियेट हाईकोर्ट बिलासपुर में दायर कर दिया गया है। ताकि पहले सरकार का पक्ष सुना जा सके। इसके पश्चात कोई अधिकृत निर्णय हाईकोर्ट देगा।

प्रेमी से नाराज होकर प्रेमिका ने खाया जहर, अस्पताल में मौत

अंबिकापुर, 26 अगस्त। प्रेमी से नाराज होकर प्रेमिका ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंपकर मामले की जांच शुरू कर दी है. पूरा मामला लुण्ड्रा ब्लॉक के ग्राम जरहाडीह का है जहर खाने की जानकारी लगते ही परिजनों ने लड़की को इलाज के लिए अंबिकापुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उनकी मौत हो गई. परिजनों का कहना कि मृतक सोनकलिया का कुछ दिन पहले श्याम नाम के शख्स से विवाद हुआ था. मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव को परिजनों को सौंपा गया. पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बच्चों के आधार पंजीयन में भारी गड़बड़ी 90 प्रतिशत आवेदन हुए रिजेक्ट

रायपुर, 26 अगस्त । राज्य में नई शिक्षा नीति के तहत स्कूली विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी बनवाने की प्रक्रिया जारी है, ताकि छात्रों के सभी शैक्षणिक दस्तावेज डिजिटल लॉकर में सुरक्षित रखे जा सकें। इसके लिए आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन राजधानी रायपुर में इस प्रक्रिया को लेकर बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है।जानकारी के अनुसार, मार्च माह में किए गए बच्चों के आधार पंजीयन में से करीब 90त्न आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए हैं। मोवा स्थित आधार सेवा केंद्र के अनुसार, हर 100 में से 90 आवेदन तकनीकी कारणों से रिजेक्ट हो रहे हैं, जिसकी वजह से पालकों में भारी नाराजगी है। अभिभावकों का कहना है कि न तो उन्हें आवेदन रिजेक्ट होने की स्पष्ट वजह बताई जा रही है, और न ही सुधार के लिए कोई मदद दी जा रही है।

सामुदायिक भवन का विधायक ने किया भूमिपूजन

भाटापारा, 26 अगस्त। ब्लाक के ग्राम-सेम्हराडीह में आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन का विधायक इन्द्र साव ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर साव ने समाज के लोगो को बधाई देते हुए कहा कि इस सामुदायिक भवन के बनने से इसका लाभ समाज के लोगो को शादी-विवाह, धार्मिक आयोजनों सहित अन्य सामाजिक समारोहों के लिए मिलने लगेगा। विधायक इंद्र साव ने कहा कि आदिवासी समाज में एकता और जागरूकता बढ़ रही है और सभी समाज को अपने इतिहास जानना जरूरी है। इस समाज में अनेक वीर योद्धा व बलिदानी हुए हैं जिन्होने समाज व देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिया। शहीद वीर नारयण सिंह, गुंडाधुर, रानी दुर्गावती, भगवान बिरसा मुंडा प्रमुख गौरव हैं। साव ने आगे कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह अपनी संस्कृति व धरोहर को आगे बढ़ाता है ऐसा कोई प्रान्त नहीं जहाँ इस आदिवासी समाज के वीर अपने प्राणों

की आहुति न दी हो। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि संस्कृति और धरोहर के संरक्षण के साथ ही बेटा और बेटियों की शिक्षा भी जरूरी है क्योंकि शिक्षा ही किसी व्यक्ति समाज को आगे ले जाने का सशकत माध्यम है। इस दौरान विधायक ने ग्राम वासियों की अन्य मांगों पर भी सहानुभूति पूर्वक पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के कार्यकर्तागण व सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी, ऋषिलक्ष्मण ध्रुव सरपंच, जुडावन ध्रुव, मोतीलाल मंडावी थुकेल ध्रुव,राम ध्रुव,, गंगु राम ध्रुव, गौरीशंकर ध्रुव, रमाशंकर ध्रुव, अमरनाथ ध्रुव, लक्षमण ध्रुव, बुधराम ध्रुव, नरेश नेताम सरपंच निपनिया, बालाराम मरकाम, रामस्वरूप ध्रुव, सत्यजीत शेंडे, खेमीन ध्रुव सहित काफी संख्या में सामाजिक और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गणेश प्रतिमाओं को बाजे-गाजे के साथ ले गए भक्त, यातायात प्रभावित रहा

रायपुर, 26 अगस्त । राजधानी में गणेश उत्सव की धूम है लेकिन आमापारा सदर बाजार, शक्तिबाजार, पुरानी बस्ती, अमिन पारा में गणेश प्रतिमाओं को लेकर जाने के लिए श्रद्धालु डीजे लेकर निकल रहे है जिसके चलते लंबा यातायात जाम लग रहा है। राजधानी में 26 अगस्त से गणेश चतुर्थी के पावन पर्व गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। राजधानी के रामकुंड, आमापारा, शक्तिबाजार, सदर बाजार, गोल बाजार, अमिनपारा में गणेश प्रतिमाओं का आकर्षक बाजाार लगा हुआ है इसके लिए पंडरी में भी गणेश प्रतिमाओं के अलावा तीजा के लिए फूलेरा सहित अन्य पूजन सामाग्रियों की बिक्री के लिए बाजार सजे हुए है। इस समय डीजे प्रतिबंधित है लेकिन इसके बावजूद भी लोग नागपुर एवं अन्य राज्य से आकर्षक डीजे मंगा रहे है।

गुरुद्वारा परिसर के क्लिनिक में 70 लोगों के आंखों की जांच की गई

रायपुर, 26 जुलाई। छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स एसोसियेशन व्दारा कल महावीर नगर गुरुव्दारा परिसर स्थित क्लिनिक में एम.जी.एम. नेत्र संस्थान के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा साहू व उनकी टीम व्दारा लगभग 70 लोगों की आंखों जांच की गई। डॉ. पूजा ने बताया कि शिविर में जांच के दौरान नेत्र रोगों की जांच के बाद चश्मा लगाने, मोतियाबिंद आपरेशन की सलाह दी और नेत्रों की नियमित अच्छी देखभाल की जानकारी देते हुए निःशुल्क दवाएं दी। इस अवसर पर एसोसियेशन के मेडिकल कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलदीप सिंह छाबड़ा ने शिविर में आए मरीजों की जांच की और उन्हे चिकित्सीय परामर्श दिया। इस अवसर पर एसोसियेशन के संयोजक जी.एस. बॉम्बरा, अध्यक्ष एच.एस. धींगरा, सचिव बी.एस.सलूजा, कुलदीप सिंह छाबड़ा, जे.एस.जब्बल, डॉ. बी.एस. छाबड़ा लखिन्दर सिंह चावला, सुखबीर सिंह सिंघोत्रा और लायंस क्लब ऑफ वीमनेस की डॉ. रविन्द्र कौर बाम्बरा और अन्य सदस्य उपस्थित थी।

प्रज्ञा सिंह को मिला राष्ट्रीय शिक्षक का पुरस्कार

5 सितंबर को किया जाएगा सम्मानित

रायपुर, 26 अगस्त । मानव संसाधन विभाग द्वारा छग की प्रज्ञा सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाने की जानकारी शिक्षा संचालनालय द्वारा ली गई है। शिक्षिका को पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। देश के राष्ट्रपति स्व. राधाकृष्णन की स्मृति में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। दुर्ग जिले के थनौद गांव में कार्यरत शिक्षिका प्रज्ञा सिंह को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रज्ञा सिंह ने शिक्षा के गणित एवं अन्य विषयों को लेकर छात्रों में रूचि जगाई है उन्होंने वैज्ञानिक परख दृष्टिकोण से अध्ययन कार्य कराया है। इसके कारण उनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

छग राज्य में राजभवन में पांच सितंबर को शिक्षकों का सम्मान किया जएगा। यह पुरस्कार वर्ष 24-25 में शेष शिक्षकों को दिया जाता है इसमें नकद तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अनुसार इस वर्ष करीब जिलों के अनुसार शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा निजी एवं शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी साल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षा विभाग इसके लिए पूरी तैयारी कर रहा है।

बीएड, डीएड, बीएससी बीएड में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आबंटन की प्रक्रिया 29 से

रायपुर, 26 अगस्त । राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा बीएड डीएड बीएससी बीएड पाठ्यक्रम में 2025 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आबंटन कार्यक्रम घोषित कर दिये गये है। इसके तहत राज्य के डाइट में प्रशिक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। एससीईआरटी के संचालक ऋतुराज रघुवंशी द्वारा जारी निर्देशानुसार आबंटन कार्यक्रम तथा दिशा निर्देश की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके तहत पंजीयन एवं ऑनलाइन विकल्प फार्म भरने की तिथि 29 अगस्त से लेकर 4 सितंबर तक, प्रथम चरण के लिए प्रथम सूची जारी करना तथा दावा आपत्ति 9 सितंबर से लेकर 10 सितंबर तक, प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर तक जारी की जाएगी।

संचालक द्वारा जारी आदेशानुसार प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथी 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर प्रथम चरण की द्वितीय सूची दावा आपत्ति के लिए 17 सितंबर एवं द्वितीय सूची के लिए दावा आपत्ति 19 सितंबर तक प्रथम चरण और द्वितीय चरण में अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 18 सितंबर से लेकर 22 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 23 सितंबर तक की जा सकेगी। प्रथम चरण की दावा सूची के आपत्ति के पश्चात तृतीय सूची 25 सितंबर को जारी की जाएगी। तीसरे सूची के आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश 25 से 29 सितंबर तक लेना होगा। रिक्त सीटों की जानकीर 30 सितंबर तक देना होगा।

संचालक द्वारा दी गई जानकारी द्वारा तीसरी सूची के पश्चात द्वितीय चरण प्रारंभ होगा। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन आन लाइन एक अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक द्वितीय चरण की सूची दावा आपत्ति 9 अक्टूबर से लेकर 10 अक्टूबर तक प्रथम सूची द्वितीय चरण के लिए 13 अक्टूबर को तथा आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्ययालय में प्रवेश के लिए 13 अक्टूबर को प्रवेश करना होगा। रिक्त सीटों की जानकारी 23 अक्टूबर को जारी की जाएगी। संचालक द्वारा जानकारी के अनुसार इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थी राज्य के शासकीय डाइट बीटआई तथा निजी शिक्षा महाविद्यालय में संचालित डीएल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दिया जाए। परीक्षा प्रवेश हेतु उत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित वेबसाइट में पूरी जानकारी ले सकते हैं। द्वितीय चरण की सूची 24 अक्टूबर को तथा द्वितीय चरण दूसरी सूची महाविद्यालय में 24 अक्टूबर तक जारी की जाएगी। तीसरी सूची 31 अक्टूबर को तथा तीसरी सूची के आबंटित अभ्यर्थी महाविद्यालयों में 31 अक्टूबर तक प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। संचालक के अनुसार अंतिम तिथि के पश्चात शाम 5.30 बजे महाविद्यालय द्वारा प्रवेश की आनलाइन अपडेट करने की प्रकिया बंद हो जाएगी। अभ्यर्थियों को दावा आपत्ति निर्धारित वेबसाइट में आवश्यक दस्तावेज आवेदन भेजकर कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया सामान्य प्रशासन के निर्देश पर आरक्षण संबंधी प्रावधान का पालन किया जाएगा।

सतत विकास और खेल महोत्सव के लिए जाना जाता है छत्तीसगढ़ का एक छोटा सा गाँव

राजनांदगांव, 26 अगस्त। अगस्त का महिना आते ही, राजनांदगांव का एक छोटा सा गाँव रंगों और गतिविधियों से भर जाता है। हर अगस्त में, कोलिहापुरी गाँव धान की रोपाई के अंत का प्रतीक पोला उत्सव के साथ-साथ अपना वार्षिक खेल महोत्सव भी मनाता है। यह आराम करने, उत्सव मनाने और एक दूसरे से जुड़ने का समय होता है। नीम के पेड़ के नीचे युवा खेल समितियां आलू दौड़, बेल दौड़, फुगड़ी, मटका फोड़, गेड़ी, रस्साकशी और कई अन्य खेलों की योजना बनाती है। ये खेल मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं, एकता और जमीनी स्तर के नेतृत्व का उत्सव हैं - जहाँ महिलाएं और पुरुष समान रूप से आगे आते हैं और प्रतिस्पर्धी भावना और उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

वर्षों से, रिलायंस फाउंडेशन ने यहाँ के लोगों के साथ एक मधुर संबंध बनाया है। सामाजिक पहलों से लेकर खेलों तक रिलायंस फाउंडेशन आगे रहा है। जमीनी स्तर की गतिविधियों से आपसी संबंधों को मज़बूत करने मदद में मदद मिली है। 2012-13 में, रिलायंस फ़ाउंडेशन ने एक

ग्राम संघ बनाने में मदद की, जो सभी विकास गतिविधियों का केंद्र बिंदु बन गया। विचार-विमर्श के बाद, सदस्यों ने सामूहिक रूप से पानी को सबसे आवश्यक ज़रूरत मानने का फ़ैसला किया। और 2.5 किलोमीटर लंबी लिफ्ट इरिगेशन पाइपलाइन बिछाने में सहयोग देने के अलावा, इस प्रणाली का सामूहिक प्रबंधन करने के लिए एक जल उपयोगकर्ता समूह का गठन किया ।कृषि के साथ-साथ, रिलायंस फ़ाउंडेशन ने सामुदायिक संस्थाओं को भी पोषित किया। एक ग्राम संघ बनाया गया, जिसमें पूरी तरह से किसानों द्वारा योगदान दिया गया एक ग्राम विकास कोष बनाया गया। पिछले पाँच वर्षों में समुदाय ने इस ज़िम्मेदारी का भार अपने ऊपर ले लिया है। यह कोष, जो अब बढ़कर ?2.80 लाख हो गया है। कृषि इनपुट, चिकित्सा आवश्यकताओं या अप्रत्याशित खर्चों के लिए आपात स्थिति में यह कोष जीवन रेखा का काम करता है। वर्षों बाद, अब गाँव स्वतंत्र रूप से इन पहलों का प्रबंधन करता है। लिफ्ट इरिगेशन पाइपलाइन से 80 से ज़्यादा किसान लाभान्वित हुए हैं, और कई ने स्वतंत्र रूप से इस प्रणाली का अनुकरण किया है। जल उपयोगकर्ता समूह अभी भी मौजूद है और समुदाय इस प्रणाली का प्रबंधन करता है साथ ही उचित पहुँच और रखरखाव को सुनिश्चित करता है। ग्राम विकास कोष आज सामुदायिक आपात स्थितियों के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करता है। रिलायंस फ़ाउंडेशन की पहल को समुदाय को सौंपे जाने के बाद भी, सामुदायिक जुड़ाव लगातार बढ़ रहा है, जो ग्राम समुदाय की अपने विकास का नेतृत्व करने और उसे बनाए रखने की क्षमता को दर्शाता है।किसान दानिश वर्मा कहते हैं अब किसान तीन फ़सलें उगाते हैं, चना, गेहूँ और मूंग। जहाँ पहले हमें एक फ़सल के लिए संघर्ष करना पड़ता था ÷रिलायंस फ़ाउंडेशन÷ द्वारा शुरू की गई लिफ्ट इरिगेशन ने हमारी पैदावार को दोगुना कर दिया है और अब इसे पड़ोसी गाँवों में भी अपनाया जा रहा है।बढ़ती आय ने नए अवसर खोले हैं, बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, परिवार सरकारी योजनाओं का सक्रिय रूप से लाभ उठा रहे हैं और कोलिहापुरी आसपास के गाँवों के लिए सहपाठी शिक्षा का केंद्र बन गया है।

एक नजर

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता

अहमदाबाद, 26 अगस्त। भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अहमदाबाद में चल रही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत लिया है। 48चत्न वेट कैटेगरी में शिरकत करते हुए चानू ने कुल 193 चत्न वेट उठाया। स्नैच में उनकी बेस्ट लिफ्ट 84 चत्न की रही, वहीं क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 109 चत्न वजन उठाया। चानू पेरिस ओलिंपिक के बाद पहली बार किसी इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उतरी थीं। 2020 टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट चानू पेरिस ओलिंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं। तब वे चौथे स्थान पर रही थीं। चोट की वजह से चानू करीब 1 साल से इंटरनेशनल इवेंट्स से दूर रही थीं। तैयारी की कमी का असर उनके प्रदर्शन से जाहिर हो रहा था। उन्होंने स्नैच में 3 प्रयासों में केवल एक सफल लिफ्ट किया। पहले प्रयास में वे 84 चत्न वेट लिफ्ट करने में फेल रहीं और दाहिने घुटने को पकड़ते दिखाई दी। हालांकि दूसरे प्रयास में उन्होंने यही वजन आराम से उठा लिया। तीसरे प्रयास में उन्होंने 89 चत्न उठाने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सकीं।

अल्काराज यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया, कैरोलिना मुचोवा से हारीं वीनस विलियम्स

मैड्रिड, 26 अगस्त (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस स्टार और यूएस ओपन में दूसरी सीड कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्काराज नए लुक में नजर आए। वह सिर मुंडवाकर खेलने उतरे। अल्काराज ने पहले राउंड में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की।

दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मैच में उन्होंने केवल 17 गलतियां कीं, 58 में से 50 सर्विस पॉइंट जीते, सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और ओपेल्का की सर्विस तीन बार तोड़ी।

मैक्लॉरी ने नए लुक को लेकर किया मजाक

मैच से पहले अल्काराज की मुलाकात गोल्फस्टार रॉरी मैक्लॉरी से हुई, जिन्होंने उनके मुंडे सिर को छूकर मजाक किया। पिछले हफ्ते यूएस ओपन के मिक्स्ड डबल्स में अल्काराज के बाल पूरे थे, लेकिन इस बार उनका नया लुक चर्चा का विषय बना।

अल्काराज ने अपने हेयरकट के बारे में फैन्स की राय जानी

मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से अपने नए हेयरकट के बारे में राय मांगी। दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसे पसंद किया। अल्काराज ने कहा, 'लगता है उन्हें मेरा नया लुक पसंद आया।' हालांकि, उनके दोस्त और टेनिस खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को यह हेयरकट बिल्कुल पसंद नहीं आया। टियाफो ने मजाक में कहा, 'यह भयानक है, जिसने भी कार्लोस को ऐसा करने को कहा, उसने गलत सलाह दी। मैं अच्छे हेयरकट का शौकीन हूं, लेकिन यह वाकई खराब है।'

वीनस विलियम्स यूएस ओपन से बाहर

वीनस विलियम्स को चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से 6-3 2-6 6-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप के आठवें दिन भारत को 8 मेडल

- महिला ट्रैप टीम और इंडिविजुअल में नीरू धनदा और जूनियर पिस्टल में पायल ने गोल्ड जीता

मैड्रिड, 26 अगस्त (एजेंसी)। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रही 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के आठवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गोल्ड, 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते। महिला ट्रैप इवेंट में भारत ने इंडिविजुअल और टीम दोनों इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। नीरू धनदा ने इंडिविजुअल में गोल्ड जीता, जबकि जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में भी भारत ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

महिला ट्रैप में मिले तीन मेडल: महिला ट्रैप इवेंट में भारत को तीन मेडल मिले। नीरू धनदा और आशिमा अहलावत ने क्वालिफिकेशन में 107 अंकों के साथ पांचवें और छठे स्थान पर जगह बनाई। प्रीति राजक 105 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में बाहर हो गईं। कतर की रे बासिल ने 110 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। फाइनल में नीरू ने शानदार प्रदर्शन किया। शुरूआत में भारत की नीरू और आशिमा, कतर की रे बासिल और जापान की नानामी मियासाका के बीच कड़ा मुकाबला रहा। बाद में चीनी ताइपे की लियू वान-यू भी चुनौती बनकर उभरीं। नीरू ने अंतिम 25 में से 22 और आखिरी 10 टारगेट्स में सभी 10 हिट्स लगाए, जिससे उन्होंने 43 हिट्स के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। आशिमा और रे बासिल 29 हिट्स के साथ बराबरी पर रहीं, लेकिन बिब नंबर के आधार पर आशिमा को ब्रॉन्ज और रे को सिल्वर मिला। भारत की तिकड़ी (नीरू, आशिमा, प्रीति) ने 319 अंकों के साथ टीम गोल्ड भी जीता, जो चीन (301) से 18 अंक आगे रहा।

पुरुष ट्रैप में भवनीश को सिल्वर

पुरुष ट्रैप में भारत के भवनीश मेंदिरत्ता ने 118 अंकों (25,24,23,22,24) के साथ क्वालिफिकेशन में चौथा स्थान हासिल किया। फाइनल में उनका मुकाबला पेरिस ओलिंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट चीन के क्वि यिंग से हुआ। भवनीश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45 हिट्स बनाए, लेकिन क्वि के 47 हिट्स के सामने उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारत मेडल टैली में टॉप पर: चैंपियनशिप में भारत 28 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडलों के साथ टॉप पर है।

पाकिस्तान से क्रिकेट पर सुशील दोषी बोले

बिल्कुल नहीं, क्रिकेट सभ्य खेल है, आतंकवाद असभ्य हरकत, पाक को क्रिकेट से अलग-थलग करना जरूरी

भोपाल, 26 अगस्त। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान आमने सामने होंगे, जिसको लेकर देशभर में

एक विवाद की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच दिग्गज रेडियो कमेंटेटर और पद्मश्री सुशील दोषी ने पाकिस्तान से क्रिकेट खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट सभ्य लोगों का खेल है और आतंकवाद असभ्य हरकत। ऐसे में सभ्य खेल में असभ्य लोगों की कोई जगह नहीं हो सकती। दोषी ने कहा-मैं तो ये सोचता हूं कि अगर आप आतंकवाद फैलाते हो और दूसरी तरफ क्रिकेट खेलते हो, तो ये साथ-साथ नहीं चल सकता। पाकिस्तान के साथ न खेलकर हमें उसे क्रिकेट से अलग-थलग करना चाहिए। सुशील मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी का वार्षिक अलंकरण समारोह में अलंकृत होने के लिए सोमवार को भोपाल पहुंचे थे। दोषी ने कहा- आप दुनिया को कैसे समझा सकते हैं कि हॉकी तो खेलेंगे, लेकिन क्रिकेट नहीं खेलेंगे, टेनिस खेलेंगे लेकिन क्रिकेट नहीं खेलेंगे, विदेशों में जाकर खेलेंगे लेकिन पाकिस्तान से क्रिकेट खेलेंगे? ऐसा नहीं होना चाहिए। करना ये चाहिए कि भारत न सिर्फ खुद पाकिस्तान का बहिष्कार करे बल्कि दुनिया के देशों को भी इसके लिए प्रेरित करे।

भारत के पास है ताकत, पाकिस्तान को कर सकता है मजबूर: दोषी ने भारत की ताकत और जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा आज भारत क्रिकेट का सुपर पावर है। हमारे पास इतनी ताकत है कि अपनी इच्छा से लोगों को मानने के लिए मजबूर कर सकते हैं। इसलिए भारत को चाहिए कि वह अपनी शक्ति का प्रदर्शन करे और दुनिया से भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए कहे। इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता। उन्होंने कहा-कहते हैं ना, उस जगह को दबाओ जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। पाकिस्तान को सबसे ज्यादा दर्द तब होगा जब क्रिकेट में उसे अलग-थलग कर दिया जाएगा। जब भारत उसके साथ नहीं खेलेगा तो यह सबसे बड़ा संदेश होगा।

रेडियो मेरी पहचान, मेरी मोहब्बत: दोषी कहते हैं रेडियो आज भी मेरी मोहब्बत है। मैं आज भी रेडियो सुनता हूं। गाने भी सुनता हूं और समाचार भी। मुझे पहचान रेडियो से मिली। भले ही टेलीविजन पर ज्यादा कमेंट्री की हो, लेकिन रेडियो ने मुझे जो दिया उसे मैं कभी भूल नहीं सकता। रेडियो सिर्फ खेल ही नहीं, भाषा और साहित्य के संस्कार भी देता था। जिस तरह से शब्दों को साफ़ सुथरे और सही उच्चारण के साथ बोलना रेडियो पर सीखा, वैसा और कहीं नहीं।

लक्ष्य बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर

वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने हराया

पेरिस, 26 अगस्त (एजेंसी)। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को हारकर बाहर होना पड़ा है। सोमवार को मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मैच में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने सीधे गेम में हरा दिया। पेरिस के अडीडास एरिना में चीनी प्लेयर ने 21-17, 21-19 से बाजी मारी और अगले राउंड में एंट्री की।

चीनी प्लेयर ने चौथी बार हराया: शी यू की और लक्ष्य के बीच बैडमिंटन में पांचवां ही मैच खेला गया। शी ने इनमें चौथी बार बाजी मारी, लक्ष्य 1 बार ही चीनी प्लेयर को हरा सके। 54 मिनट तक चले मैच में शी हावी ही दिखे। उन्होंने 21-17 से पहला गेम जीतने के बाद 21-19 से दूसरा गेम भी जीत लिया।

दोनों प्लेयर्स इसी साल जून में आखिरी बार इंडोनेशिया ओपन के दौरान भी भिड़े थे। तब भी शी ने बाजी मारी थी। हालांकि, तब

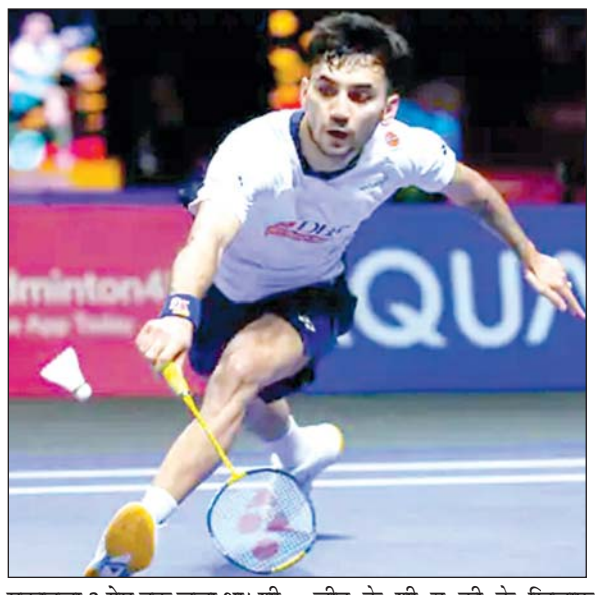

मुकाबला 3 गेम तक चला था। शी के खिलाफ लक्ष्य की इकलौती जीत 2022 के एशियन गेम्स में आई थी। तब लक्ष्य ने 22-20, 14-21, 21-18 से मैच जीता था। चीन के शी यू की के खिलाफ लक्ष्य सेन ने चौथा बैडमिंटन मैच गंवाया। चीन के शी यू की के खिलाफ लक्ष्य सेन ने चौथा बैडमिंटन मैच गंवाया।

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में तीनों मेडल भारत को

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत की पायल खत्री, नाम्या कपूर और तेजस्विनी ने शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने कोरिया, इंडोनेशिया और मलेशिया की प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए आपस में ही मुकाबला किया। पायल ने छठे से नौवें सीरीज में चार-चार हिट्स और 10वीं सीरीज में 5/5 हिट्स के साथ 36 हिट्स बनाए और गोल्ड जीता। नाम्या ने 30 हिट्स के साथ सिल्वर और तेजस्विनी ने 27 हिट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अलावा, पायल, तेजस्विनी और रिया शिरीष ठट्टे (554 अंक) ने मिलकर 1700 अंकों के साथ टीम सिल्वर मेडल जीता, जिसमें कोरिया ने गोल्ड हासिल किया। इससे पहले नाम्या ने 581 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया, जबकि तेजस्विनी 577 अंकों के साथ दूसरे और पायल 569 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं।

व्यापार

ब्लू इकोनॉमी का बढ़ता दायरा : समुद्री और अंतर्देशीय दोनों क्षेत्रों में 104 प्रतिशत की हुई है वृद्धि

देश में मछली उत्पादन 61 लाख टन से बढ़कर 147.37 लाख टन

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसी)। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जो वैश्विक उत्पादन में करीब 8% का योगदान देता है। यह क्षेत्र लाखों परिवारों के लिए, विशेष रूप से तटीय और ग्रामीण क्षेत्रों में, भोजन, रोज़गार और आय का एक प्रमुख स्रोत है। पिछले एक दशक में इसके पैमाने और विधि, दोनों में बड़े बदलाव आए हैं। वर्ष 2013-14 से 2024-25 तक, देश के कुल मछली उत्पादन में समुद्री और अंतर्देशीय दोनों क्षेत्रों में 104% की शानदार वृद्धि हुई है। उत्पादन 96 लाख टन से बढ़कर 195 लाख टन हो गया है। इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा अंतर्देशीय मत्स्य पालन से आया है, जिसमें इसी अवधि में 142त्न की वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में उत्पादन 61 लाख टन से बढ़कर 147.37 लाख टन हो गया है।

यह बदलाव आधुनिक, टिकाऊ और उच्च उपज वाली जलीय कृषि की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। बेहतर तकनीक, उन्नत बुनियादी ढांचे और मज़बूत मूल्य श्रृंखलाओं की मदद से किसानों को अधिक उत्पादन और अधिक कमाई करने में मदद मिली है। हैचरी, तालाब प्रणालियों, कोल्ड चेन और बाज़ार नेटवर्क में निवेश ने मछलियों को उपभोक्ताओं तक तेज़ी से तथा बेहतर स्थिति में पहुंचाया है। नतीजतन यह एक मज़बूत क्षेत्र बनकर उभरा है, जो पहले से कहीं अधिक लोगों को भोजन और रोज़गार प्रदान कर रहा है।

गौरतलब हो, केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन 2,703.67 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है।

नीली क्रांति से पीएमएमएसवाई तक, मत्स्य पालन क्षेत्र में जारी है बदलावों का सफर : नीली क्रांति की शुरुआत 2015 में हुई थी, जिसका मकसद अंतर्देशीय और समुद्री क्षेत्रों में मत्स्य उत्पादन को बढ़ाना और मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला में सुधार करना था। इसका मकसद उत्पादकता बढ़ाना, बुनियादी ढांचे का विस्तार करना और मछुआरों तथा मत्स्यपालकों तक आधुनिक पद्धतियों को पहुंचाना भी था। वक्त

के साथ, कटाई के बाद की देखभाल, पता लगाने की क्षमता, मछुआरों के कल्याण और ऋण व बाज़ारों से औपचारिक जुड़ाव जैसे क्षेत्रों में गंभीर कमियां चुनौतियों के रुप में सामने आती रहीं। इन कमियों को दूर करने और बदलावों को रफ्तार देने के लिए, सरकार ने 2020 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू की। यह नया कार्यक्रम नीली क्रांति के लाभों पर आधारित है और इसकी पहुंच को और अधिक गहराई और अभिसरण के साथ बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र में बड़ी कमियों को दूर करने के लिए बनाया गया है। यह मछली उत्पादन और उत्पादकता में सुधार, गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाने, आधुनिक तकनीक लाने, कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने और बेहतर प्रबंधन के लिए काम करती है। यह योजना एक मज़बूत मूल्य श्रृंखला बनाने, पता लगाने की क्षमता में सुधार, एक मज़बूत मत्स्य प्रबंधन प्रणाली बनाने और मछुआरों के कल्याण को सुनिश्चित करने पर भी केंद्रित है।

इस योजना को कुल 20,050 करोड़ रुपए के निवेश के साथ मंजूरी दी गई थी। इसमें केंद्र सरकार से 9,407 करोड़ रुपए, राज्य सरकारों से 4,880 करोड़ रुपए और लाभार्थियों से 5,763 करोड़ रुपए का अंशदान शामिल है, जो 2020-21 से 2024-25 तक पाँच वर्षों की अवधि के लिए है। वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने मौजूदा योजना के स्वरूप और वित्तपोषण पैटर्न के अनुसार, पीएमएमएसवाई को वित्तीय वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने पर सहमति जताई है।

22 जुलाई 2025 तक, मत्स्य विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 21,274.16 करोड़ रुपए मूल्य की मत्स्य विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये मंजूरियाँ राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों से प्राप्त प्रस्तावों पर आधारित हैं।

जापान भारत में करेगा 6 लाख करोड़ रुपए का निवेश, एआई और चिप्स में मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 26 अगस्त। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने भारत में 10 ट्रिलियन येन (लगभग 68 बिलियन डॉलर यानी करीब 6 लाख करोड़ रुपये) निवेश करने का प्लान बनाया है। इसका मकसद अगले 10 सालों में भारतङ्कजापान के बिजनेस रिश्तों को मजबूत करना है। यह जानकारी निक्केई एशिया की रिपोर्ट में दी गई। प्रधानमंत्री इशिबा शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी 29-30 अगस्त को जापान की यात्रा पर रहेंगे, जहां 15वां भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन होगा। सुरक्षा और व्यापार दोनों पर जोरः दोनों देशों के प्रधानमंत्री 17 साल बाद पहली बार सुरक्षा सहयोग पर साझा घोषणा को नया रूप देंगे। साथ ही, जापान का निवेश भारत के लिए 8 अहम क्षेत्रों में किया जाएगा, जिनमें मोबिलिटी, पर्यावरण और चिकित्सा जैसे सेक्टर शामिल हैं।

फोकसः एआई और सेमीकंडक्टरः रिपोर्ट के मुताबिक, यह निवेश खासतौर पर जापानी कंपनियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और

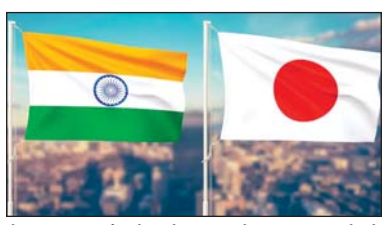

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत में विस्तार करने में मदद करेगा। इन कंपनियों में भारतीय विशेषज्ञ इंजीनियरों को नौकरी मिलेगी। दोनों देशों के बीच एआई कूपरेशन इन्वीटेटिव नाम का एक समझौता होगा, जिसके तहत युवा रिसर्चर्स का आदानङ्कप्रदान किया जाएगा। शनिवार को पीएम मोदी और इशिबा टोक्यो इलेक्ट्रॉन नामक जापानी चिप बनाने वाली कंपनी की फैक्ट्री का दौरा करेंगे। इसके जरिए जापान अपनी तकनीकी ताकत को दिखाना चाहता है।

स्टार्टअप्स और टैलेंट पर जोरः जापान, भारत के स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा देगा। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) पहले ही तेलंगाना के स्टार्टअप्स को कर्ज दे चुकी है। साथ ही, जापान भारत के टैलेंट हायरिंग पर भी ध्यान देगा। जापान को 2030 तक लगभग 7.9 लाख विशेषज्ञ कर्मचारियों की जरूरत होगी, जबकि भारत हर साल करीब 15 लाख इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स तैयार करता है। पिछले 5 सालों में लगभग 25,000 भारतीय विशेषज्ञ जापान गए हैं, जहां उन्होंने काम किया या पढ़ाई और ट्रेनिंग पूरी की।

जापानी कंपनियां पहले से कर रहीं हायरिंगः सोम्पो केयर (जापान की नर्सिंग कंपनी) ने भारत में ट्रेनिंग सेंटर खोला है और 2024 से भारतीय कर्मचारियों को नौकरी देना शुरू कर दिया है। सेकिशो (ऊर्जा कंपनी) भारतीय छात्रों को जापानी कंपनियों से जोड़ने का काम कर रही है। यह कंपनी जापानी भाषा शिक्षा व नौकरी प्लेसमेंट में भी मदद करेगी। कुल मिलाकर, जापान का यह निवेश न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, बल्कि भारतीय इंजीनियरों और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार व नए अवसर भी लेकर आएगा।

पर्यावरण स्वीकृति हस्तांतरण बाबत् आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित हो कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 के अंतर्गत अपने पत्र **File No:IA-J-11011/401/2018-I-II (IND-I)** दिनांक 14/08/2025 के माध्यम से ईसी पहचान पत्र नंबर **EC23A1003CG5739761N Dated 16.10.2023** द्वारा मेसर्स निरोज इस्पात प्राईवेट लिमिटेड के नाम से जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को हमारी कंपनी के नाम पर ईसी पहचान पत्र क्रमांक **EC25A1003CG5467987T Dated 14/08/2025** द्वारा हस्तांतरण कर हमारे नाम पर (मेसर्स विश्व गुरू इस्पात प्राईवेट लिमिटेड) कर दिया है। जिसकी प्रति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट (www.parivesh.nic.in.) तथा प्रतिलिपि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर तथा मुख्यालय रायपुर में भी अवलोकन हेतु उपलब्ध है।

स्थान :- भिलाई, दुर्ग
दिनांक :- 20.08.2025

मेसर्स विश्व गुरू इस्पात प्रायवेट लिमिटेड
14-ए,बी,सी,एच एवं 15 (पार्ट),
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, हथखोज,
भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी/भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

दण्डिक प्रकरण कमांक/ /विविध/2025, थाना सुपेला जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण/नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना सुपेला जिला दुर्ग द्वारा अपने चौकी/थाने क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश वाहनों की जानकारी संबंधित परिवहन कार्यालय से लिया जाकर वाहन स्वाभियों को वाहन रजिस्ट्रेशन पत्र के साथ उपस्थित होकर वाहन सरंक्षण में लेने हेतु नोटिस जारी किया गया था, जो अदम तामीली प्राप्त होने से नीलामी की कार्यवाही किये जाने बाबत् धारा-28 पुलिस एक्ट अनुसार इस्तगासा क्रमांक 01/2025, 03/2025 एवं 04/2025 तैयार कर प्रेषित किया गया है।

अतः वाहनों के नीलामी की कार्यवाही के पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से अनुसूची में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे सूची में दर्शित वाहनों के सरक्षण प्राप्ति हेतु दावा आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहयान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 24.09.2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने अभिभावक/अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं म्याद वाद पश्चात् उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

थाना प्रभारी, थाना सुपेला में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों अनुसूची बार-कोर्ड निम्नानुसार है-

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक ..... को जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
छावनी/भिलाई नगर
जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, तिल्दा-नेवरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)

☎ 07721-233326, Email- npalika_tilda@yahoo.in

क्रमांक/532/लो.नि.वि./न.पा./2025-26 तिल्दा-नेवरा, दिनांक 25.08.2025

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद् तिल्दा-नेवरा सीमांतर्गत विभिन्न विकास कार्य सरल क्र. 01 व 02 हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो.नि.वि. में प्रचलित भवन एस.ओ.आर 01.01.2015 एस.ओ.आर. में निविदायें कम/अधिक/बराबर प्रतिशत दर पर एवं सरल क्र 03, 04 व 05 के कार्य हेतु जी.एस.टी. विभाग में पंजीकृत फर्मों में वार्षिक निविदा आईटम दर पर तीन लिफाफे पद्धति के माध्यम से रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से निम्नांकित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 15.09.2025 रागय 05:00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र प्रदान करने की अंतिम तिथि - 18.09.2025 समय 05:00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 23.09.2025 समय 03:00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 23.09.2025 समय 04:00 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	राशि (लाख में)	अमानत राशि	प्रपत्र	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
01	वार्ड क्र. 22 वीर घर के पास शेड निर्माण कार्य।	4.01	4000.00	''A''	750.00	03 माह
02	वार्ड क्र. 13 ईश्वर भोजवानी के घर से यदु घर तक आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	4.01	4100.00	''A''	750.00	03 माह
03	सबमर्सिबल मोटर पंप मरम्मत कार्य।	9.50	28500.00	''C''	750.00	12 माह
04	इंटेकवेल एवं फिल्टर प्लांट में स्थित टरबाईन व सेन्ट्री फ्यूमल मोटर पंप मरम्मत कार्य।	9.50	28500.00	''C''	750.00	12 माह
05	मुद्रण कार्य।	2.00	6000.00	''C''	300.00	12 माह

नियम एवं शर्तें तथा कार्यों का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, तिल्दा-नेवरा

सभी माताओं- बहनों और प्रदेश वासियों को तीजा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

महतारी वंदन योजना

69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11,728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी मदद

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय हेतु मिलेगा व्यापक बाज़ार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम-व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं को स्वावलंबन के लिए सहयोग

लखपति दीदी योजना

प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से संगठित करना, वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराना और उन्हें सशक्त बनाना है

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद ₹20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

सुशासन से समृद्धि की ओर

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संवाद आर.ओ.- 45017/97

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, प्रकाशक-मुद्रक उत्तम कुमार अलकरे की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस, प्रेस टॉवर, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित * संपादक-संजय कुमार दुबे, * प्रबंध संपादक- आशीष कुमार तिवारी, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26